सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 332 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 15 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

देश को मिली छह नई वंदे भारत ट्रेनों की सौगात

पीएम मोदी दे वर्चुअली दिखाई हरी झंडी, जानिए किन रूटों पर दौड़ेंगी यह ट्रेनें

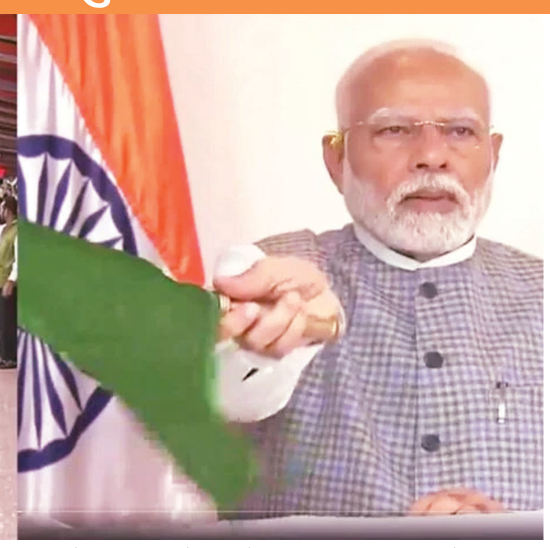

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को छह नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर इन ट्रेनों को रवाना किया। रेलवे मंत्रालय का कहना है कि इन ट्रेनों से संपर्क सुविधा, सुरक्षित यात्रा और यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ेंगी। इन नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत के बाद इनकी संख्या 54 से बढ़कर अब 60 हो गई है। इस तरह वंदे भारत ट्रेनें रोज 120 फेरों के जरिए 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 280 से अधिक जिलों को कवर करेंगी।

बता दें कि पहली वंदे भारत ट्रेन 15 फरवरी, 2019 को शुरू की गई थी। इसके बाद 14 सितंबर 2024 तक 54 वंदेभारत ट्रेनों (अप-डाउन मिलाकर 108 फेरे) के बेड़े के साथ वंदे भारत ने कुल मिलाकर लगभग 36,000 यात्राएं पूरी की हैं और 3.17 करोड़ से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया है। मूल वंदे भारत ट्रेन सेट अब वंदे भारत 2.0 में बदल गया है, जिसमें तेज गति, कवच, एंटी-वायरस सिस्टम और वाईफाई जैसी और भी उन्नत सुविधाएं हैं।

इन मार्गों को करेंगी कवर

रविवार को शुरू की गई नई वंदेभारत ट्रेनें जिन छह नए मार्गों को कवर करेंगी, वे टाटानगर-पटना, ब्रह्मपुर-टाटानगर, राउरकेला-हावड़ा, देवघर-वाराणसी, भागलपुर-हावड़ा और गया-हावड़ा हैं। यानी आज की छह वंदे भारत ट्रेने बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के यात्रियों के सफर को आसान बनाएंगी यह ट्रेनें 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की क्षमता रखती हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान के मुताबिक, वंदे भारत पोर्टफोलियो का लगातार विस्तार हो रहा है और बेहतर संपर्क सुविधा के लिए इसमें नई ट्रेन को शामिल किया जा रहा है। इसमें कहा गया कि मेक इन इंडिया पहल के तहत स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई ये ट्रेन लाखों यात्रियों को लक्जरी और अत्याधुनिक सुविधाएं देती है।

कल पीएम मोदी वर्चुअली दिखाएंगे हरी झंडी

दुर्ग-विशाखापट्नम वंदेभारत

20 सितंबर से रेगुलर होगी ट्रेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग से विशाखापट्नम के बीच चलने वाले वंदेभारत एक्सप्रेस का शुभारंभ 16 सितंबर को रायपुर रेलवे स्टेशन से होगा। 16 सितंबर शाम 4:15 बजे पीएम मोदी ट्रेन को वर्चुअली हरी झंडी दिखाएंगे। इस दौरान रायपुर रेलवे स्टेशन पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल व विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि व रेलवे के अफसर मौजूद रहेंगे।

ट्रेन के शुभारंभ को लेकर रेलवे पूरा शेड्यूल जारी किया है। जारी शेड्यूल के अनुसार यह ट्रेन रायपुर से शाम 4:15 को रवाना होगी। इस दौरान ट्रेन में जनप्रतिनिधि, रेलवे के अफसर व मीडिया प्रतिनिधि सफर करेंगे। शेड्यूल के अनुसार 4.45 बजे महासमुंद, 5.30 बजे खरियार रोड, 6.05 बजे काटाभांजी, 6.50 बजे टिटलागढ़, 7.20 बजे केसिंगा, रात 9 बजे रायगढ़ा और आधीरात 12.20 बजे विशाखापट्नम पहुंचेगी। इसके बाद रैक वापस रायपुर पहुंचेगा। 19 सितंबर को इसकी साफ-सफाई होगी और 20 सितंबर से यह दुर्ग और विशाखापटनम के बीच नियमित रूप से चलेगी।

सफल रहा ट्रायल रन

बता दें वंदे भारत एक्सप्रेस का 13 सितंबर को दुर्ग से विशाखापट्नम के बीच सफल ट्रायल किया गया। ट्रायल के दौरान देखा गया कि ट्रेन अपने समय पर चल रही है। दुर्ग से निकलने के बाद इसे 7 घंटे और 55 मिनट में

565 किमी की दूरी तय कर विशाखापट्नम पहुंचना था और वापसी के दौरान 8 घंटे में दुर्ग पहुंचना था। ट्रेन का ट्रायल रन सफल रहा और अब यह 20 सितंबर से नियमित रूप से दुर्ग से विशाखापट्नम के बीच दौड़ेगी।

यह है ट्रेन की पूरी समय सारिणी

दुर्ग से विशाखापट्टनम के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन दुर्ग से सुबह 5.45 बजे रवाना होकर 6:08 बजे रायपुर व 6:38 बजे महासमुंद पहुंचेगी। इसके बाद 7:15 को ओडिशा के खरियार रोड, 8 बजे कांटाबांजी, 8:30 को टिटिलागड़, 8:45 बजे केसिंगा और 10:50 को रायगढ़ा पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन 12:35 को आंध्रप्रदेश के विजयनगरम और वहां से दोपहर 1.45 बजे विशाखापट्टनम पहुंचेगी। विशाखापट्नम से वहां से दोपहर 2.50 को वापसी के लिए रवाना होगी। यहां से निकलकर 3:33 बजे विजयनगरम, 5:13 बजे रायगढ़ा, 6:50 बजे केसिंगा, 7:05 को टिटलागढ़, 7:35 को काटाभांजी, 8:20 को खरियार रोड, 9 बजे महासमुंद, 10:19 को रायपुर और रात 10.50 बजे दुर्ग पहुंचेगी।

खास-खबर

विश्वकर्मा जयंती पर सीएम साय 57 हजार श्रमिकों को देंगे 49 करोड़ रुपए

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के श्रमिकों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिसका सीधा लाभ श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को मिल रहा है। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 17 सितंबर विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर 'श्रमिक सम्मेलन' में 57 हजार से अधिक पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को 49 करोड़ 43 लाख 52 हजार 294 रूपए केन्द्रीकृत डीबीटी के माध्यम से वितरण करेंगे। यह सम्मेलन राजधानी के इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय जोरा के कृषि मंडपम में आयोजित होगा।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि प्रदेश के पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को श्रम विभाग के अधीन छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत 47 हजार 726 निर्माण श्रमिकों 38 करोड़ 37 लाख 10 हजार 652 रूपए, छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत 6873 श्रमिकों को 9 करोड़ 86 लाख 58 हजार 500 रूपए एवं छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल अंतर्गत 2496 श्रमिकों को 1 करोड़ 19 लाख 83 हजार 142 रूपए की राशि डी.बी.टी. के जरिए वितरण करेंगे। इस तरह कुल 57 हजार 95 श्रमिकों को कुल राशि 49 करोड़ 43 लाख 5 हजार 229 रूपये का वितरण केन्द्रीयकृत डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा।

भिलाई निगम आयुक्त देवेश ध्रुव बने सुकमा कलेक्टर, मुंगेली एसपी हटाए गए

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस के बाद बस्तर और सुकमा कलेक्टर को हटाया गया है। भिलाई निगम आयुक्त देवेश ध्रुव को सुकमा का कलेक्टर बनाया गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

बता दें रायपुर में दो दिनों तक चली कलेक्टर-SP कॉन्फ्रेंस में CM ने कुछ अफसरों पर नाराजगी जताई थी। CM ने सुकमा जिले में साइकिल वितरण नहीं होने पर सख्ती दिखाई थी। कहा था कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बस्तर में मनरेगा में एक भी दिन ग्रामीणों को काम नहीं दिए जाने से नाराज हुए थे।

आदेश में तीन अधिकारियों का ट्रांसफर करने का जिक्र है। मुंगेली एसपी भी बदले गए हैं। बस्तर के कलेक्टर विजय दयाराम के. को छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास अभिकरण का सीईओ बनाया गया है। आईएएस हरीश एस अब बस्तर के नए कलेक्टर होंगे। वहीं भिलाई नगर निगम के आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव को सुकमा कलेक्टर बनाया गया है। गृह विभाग ने 2010 बैच के IPS गिरिजा शंकर जायसवाल को पुलिस मुख्यालय भेजा है। उनकी जगह पर 15वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में तैनात भोजराम पटेल को मुंगेली पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी दी गई है। भोजराम पटेल 2013 के आईपीएस अफसर हैं।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने किया इस्तीफे का ऐलान बोले जनता के फैसले के बाद बैठूंगा कुर्सी पर

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा का ऐलान कर दिया है। अरविंद केजरीवाल ने अपने इस्तीफे का ऐलान करते हुए कहा कि दो दिन बाद इस्तीफा दूंगा। उन्होंने कहा कि मैं तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती कि केजरीवाल ईमानदार है। दिल्ली की जनता के आदेश के बाद ही मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा।

बता दें अरविंद केजरीवाल हाल ही में जमानत पर जेल से छूटे हैं। उनका नाम दिल्ली के आबकारी घोटाले में सामने

आया इसके बाद से वे जेल में बंद थे। जमातन पर बाहर आने के बाद उन्होंने इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। जबकि दिल्ली में 2025 में विधानसभा चुनाव होने है। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे का ऐलान करने के पीछे यह भी माना जा रहा है कि चुनाव नजदीक है और ऐसा करके वे लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ने का काम करने का प्रयास कर रहे हैं।

इस्तीफे के ऐलान के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा वे और मनीष सिसोदिया जनता के बीच जाएंगे। दिल्ली विधानसभा भंग नहीं होगी। मेरी जगह कोई और सीएम होगा। अगला सीएम चुनने के लिए विधायक दल की बैठक होगी। इसमें सीएम पर फैसला लिया जाएगा। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के एलान के बाद अब दिल्ली का सीएम किसे बनाया जाएगा इसकी चर्चा हो रही है। बताया जा रहा है कि कि अरविंद केजरीवाल की जगह अब आतिशी, गोपाल राय और सौरभ भारद्वाज का नाम भी सामने आ रहा है।

बिहार में टला बड़ा हादसाः पटरी छोड़कर खेत में चलने लगा रेल इंजन

वजीरगंज स्टेशन एवं कोल्हाना हॉल्ट के बीच रघुनाथपुर गांव के पास की घटना

गया (एजेंसी)। बिहार के गया जिला में बड़ा रेल हादसा टल गया है। एक मालगाड़ी ट्रेन का इंजन पटरी से उतर कर खेत में चला गया लोको पायलट जब तक ब्रेक लगाता तब तक इंजन बेपरी हो चुका था। देखते ही देखते इंजन खेत में चला गया। अब इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। घटना गया- कोडरमा रेलखंड के वजीरगंज स्टेशन एवं कोल्हाना हॉल्ट के बीच रघुनाथपुर गांव के पास शुक्रवार शाम को हुई।

बताया जा रहा है कि इंजन को लूप लाइन से गया की ओर ले

जाया जा रहा था। अचानक इंजन अनियंत्रित होकर खेत में चला गया। हालांकि इंजन के साथ कोई डब्बा नहीं, इसलिए बड़ा हादसा टल गया। इधर, मालगाड़ी के बेपटरी होते ही इलाके में हड़कंप मच गया। खेत में काम कर रहे लोग इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि इंजन के अनियंत्रित होते ही लोको पायलट नीचे उतर गया।

रफ्तार कम होने के कारण बड़ा हादसा टल गई। इंजन को आंशिक क्षति हुई है। वहीं मालगाड़ी के दो हिस्सों में बंटने के बाद लोगों की भीड़ लग गई। लोगों का कहना है कि हाल के कुछ महीनों से भारतीय रेल लगातार खबरों में बनी हुई है। कभी ट्रेन हादसे का शिकार हो जाती है तो कभी ट्रेन बेपटरी हो जाती है। इस बार बड़ा रेल हादसा होते-होते बचा है। मामले में पूर्व मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि ट्रैक चेंज होने के कारण इंजन बेपटरी होकर खेत में चला गया। रेलवे यार्ड के अंतिम छोड़ पर यह हादसा हुआ। रेलवे की टीम ने मामले की जांच की है। घटना में किसी कोई क्षति नहीं हुई। रेलवे ट्रैक पर भी हालात सामान्य हैं। रेलवे की टीम ने एक घंटे के अंदर मालगाड़ी को दुरुस्त कर दिया।

छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच नए रूट पर चलेंगी यात्री बसें

दोनों राज्यों के परिवहन विभाग के अधिकारियों के बीच सहमति

रायपुर। छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश परिवहन विभाग द्वारा यात्री सुविधा के विस्तार एवं सुगम यातायात हेतु 17 वर्षों के बाद दोनों राज्यों के विभागों की पहल पर मध्यप्रदेश के मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल में बैठक आयोजित की गई।

मध्यप्रदेश राज्य की ओर से इस बैठक में एसएन मिश्रा, अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग एवं छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से एस प्रकाश, सचिव, परिवहन विभाग सह परिवहन आयुक्त, छत्तीसगढ़ की उपस्थित में हुई।

दोनों राज्यों के बीच परिवहन विभाग के विभिन्न मुद्दों पर छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के मध्य वर्ष 2007 में हुए अंतर्राज्यीय पारस्परिक यातायात समझौता में अभिवृद्धि किये जाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा 34 नवीन मार्गों एवं मध्यप्रदेश राज्य द्वारा 19 नवीन मार्गों को जोड़ने पर सहमति बनी। इसके अलावा पारस्परिक करार के 81 मार्गों में 36 मार्गों में रिक्ति नहीं होने के कारण फेरा वृद्धि, सहमति मार्गों को पारस्परिक करार में शामिल करने, यातायात के आधुनिकीकरण, मुक्त जोन पर किसी प्रकार का टैक्स नहीं लेने, सहित संबंधित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण सहित अनेक महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर सहमति बनी। बैठक में लिये गये सभी निर्णयों पर कार्यवाही आगामी दिनों में वैधानिक प्रक्रिया अनुसार की जाएगी। इस बैठक में सीबी चक्रवर्ती, सचिव, मध्यप्रदेश शासन परिवहन विभाग, डीपी गुप्ता, परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश, डी. रविशंकर, अपर परिवहन आयुक्त छत्तीसगढ़, उमेश जोगा, अपर परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश, मनोज कुमार ध्रुव, उप परिवहन आयुक्त छत्तीसगढ़ एवं एचके सिंह सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकार मध्यप्रदेश सहित अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

दिल, जिगर, नजर क्या है...

श्रीकंचनपथ

फिल्म ''दिल का क्या कसूर'' से लिये गये इस गीत को कुमार सानू ने अपनी दिलकश आवाज दी थी। पर इस गीत को समझना इतना भी आसान नहीं है। दिल को लेकर तो लोगों में कोई भ्रम नहीं है पर जिगर और गुर्दा जैसे शब्द सुनकर लोग पेट को इधर उधर से छूने लगते हैं। इससे भी बुरा हाल है स्वनामधन्य इंग्लिश मीडियम का। अंग्रेजीदां बनने के चक्कर में वो हिन्दी से नाता तोड़ बैठते हैं। वे सड़सठ रुपये का भुगतान तब तक नहीं कर पाते जब तक कि उन्हें अंग्रेजी में 67 न कह दिया जाए। पिछले दिनों एमबीबीएस के एक प्रवेशार्थी को लेकर स्व. बलिराम कश्यप मेमोरियल मेडिकल कालेज जगदलपुर जाना हुआ। बच्चे ने रास्ते भर 50 से 100 तक की गिनती को हिन्दी में दोहराया। जगदलपुर पहुंचने पर उसने कहा कि आज उसने जीवन का एक बड़ा सबक याद किया है। अब उसे पता है कि उनसठ, उनहत्तर, उन्यासी और नवासी में कौन छोटा और कौन बड़ा है। है न गजब की बात। यह हाल है उस देश की युवा पीढ़ी का जो हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने की कोशिश में जुटा हुआ है। ऐसे में छत्तीसगढ़ सरकार की एक बड़ी घोषणा सामने आती है। सरकार मेडिकल की पढ़ाई को हिन्दी में करवाने का संकल्प लेती है। सरकार कहती है कि मेडिकल के विद्यार्थियों को हिन्दी में पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। तो क्या चिकित्सा शास्त्र के सभी संदर्भ ग्रंथों का भी हिन्दी में अनुवाद किया जाएगा? यदि यह संभव भी हुआ तो इसमें कितना वक्त लग जाएगा, कोई नहीं जानता। इस संबंध में जब कुछ चिकित्सकों, जिनमें भिलाई स्थित मेडिकल कालेज के प्रोफेसर भी शामिल हैं, ने कहा कि यदि आपको चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ना है तो अंग्रेजी से किनारा नहीं किया जा सकता। बात सिर्फ संदर्भ ग्रंथों की नहीं है। यदि आप विदेश में कार्यरत अपने समकक्षों के अनुभवों का भी लाभ लेना चाहते हों तो आपका अंग्रेजी पर दखल जरूरी है। यह और बात है कि जिस क्षेत्र में आपको काम करना है वहां की भाषा-बोली पर भी आपकी अच्छी पकड़ होनी चाहिए। अन्यथा आप मरीज को सही ढंग से समझ ही नहीं पाएंगे। फिलहाल इस समस्या का सामना छत्तीसगढ़ के बड़े अस्पताल कर रहे हैं। बीजू कृषक कल्याण योजना कार्ड के तहत इलाज कराने बड़ी संख्या में दक्षिण और पश्चिम ओड़ीशा के लोग छत्तीसगढ़ के अस्पतालों में आ रहे हैं। दोनों जगह की बोलियां अलग हैं। छत्तीसगढ़ के चिकित्सकों की हिन्दी दुरुस्त है पर ओड़ीशा से आने वाले इन मरीजों को केवल अपनी स्थानीय बोली आती है। इन मरीजों के साथ एक दुभाषिया आता है। उसकी हिन्दी भी बस कामचलाऊ होती है। ऐसे में मरीजों के साथ संवाद बेहद कठिन हो जाता है। एक ही विकल्प रह जाता है कि चिकित्सक स्थानीय भाषा-बोली को सीखने की कोशिश करे। देश के व्यापारी समुदाय भी ऐसा ही करते हैं। उनसे सीख ली जा सकती है।

संपादकीय

कार्रवाई होती रहती है तो डर भी रहता है

कोई भी सरकार हो ऊपर से नीचे तक हर छोटे-बड़े मामले में कार्रवाई होती रहती है तो ऊपर से नीचे तक डर बना रहता है। कुछ भी गलत किए तो खैर नहीं ।यह संदेश मुखिया को समय समय पर देते रहना पड़ता है और गलत क्या है यह मुखिया तक करेगा, आप आदेश का पालन करने वाले हो, सही गलत का फैसला करने वाले नहीं, इसलिए सही-गलत का फैसला मत करना, जज मत बन जाना। जनता ने हमे सेवा करने के लिए चुना है, हम जनता के सेवक हैं तो आप सब भी जनता की सेवा करने के लिए हो, जनता के संबंधित जो भी काम है, उसे सेवा के भाव से करना है। जनता के सामने जनता के सेवक की भाषा भी सेवक की भाषा होनी चाहिए,उसकी शासक की नहीं।

> सीएम विष्णुदेव साय सौम्य शालीन है तो मान लिया जाता है कि वह आक्रामक नहीं हो सकते लेकिन ऐसा है नहीं वक्त आने पर जितने सौम्य व शालीन है,उतने ही आक्रामक भी हो जाते हैं, खासकर जनता की सेवा से जुड़ी बात हो तो वह सहन नहीं कर पाते हैं कि जिन लोगों का काम जनता की सेवा करना है,वह जनता की सेवा ठीक से नहीं कर रहे हैं। यही वजह है कि उन्होंने कलेक्टरों की बैठक से शुरुआत की है, यानी प्रशासन को ऊपर से कसने का काम किया है।

उन्होंने अधिकारियों के जनता व स्कूली छात्राओं से किए गए बुरे व्यवहार पर कड़ी नाराजगी जताई है,कहा पुरानी शैली बदलें, सरकार बदल गई है., पुरानी शैली नहीं चलेगी, पुरानी भाषा नहीं चलेगी।अगर कोई अधिकारी की भाषा संयमित नहीं है, वह जनता का अपमान करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। यदि आप गलती करोगे तो मैं कार्रवाई करूंगा।

उन्होंने इस बात के लिए भी नाराजगी जताई कि छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर लोग राजधानी आ जाते हैं। किसी भी सरकार की योजनाओं से जनता को लाभान्वित करने का काम अधिकारियों का ही होता है इसलिए उनको समय समय पर बताते रहना पड़ता है कि मैं सब देख रहा हूं। पहली बार तो चेतावनी दी जा रही है, अगर नहीं सुधरे तो कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टरों को इस बैठक में बता दिया है कि उनको क्या क्या करना है। अगली बार वह आएं तो यह सब कामों की कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए।सीएम के रूप में साय ने कलेक्टरों को बता दिया है कि वह क्या चाहते हैं, और उसे कैसे करना है।

शासन करने का सही तरीका भी यही है कि पहले ही बता दिया जाए कि वह क्या चाहते हैं, वह जो चाहते हैं, वह सब निश्चित रूप से होना ही चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि सबसे पहले ऊपर के अधिकारी को ही टाइट कर दिया जाए ताकि वह नीचे के अधिकारियों को टाइट करे और कोई काम में कोताही न करे, सब काम में कोताही करने से डरें कि अगली बार काम नहीं हुआ तो डांट भी पड़ेगी और कार्रवाई भी होगी। राज्य का मुखिया जब बड़े अधिकारियों से कहता है कि जनता से अच्छा व्यवहार किया जाना चाहिए, जनता से बात करते वक्त भाषा शालीन होनी चाहिए तो जनता को भी जानकर अच्छा लगता है कि हमारा मुखिया हमारा अपमान सहन नहीं करता है। कोई हमारा अपमान करे तो उसे बुरा लगता है। जनता को यह सबसे ज्यादा अच्छा लगता है कि भ्रष्ट लोगों की शिकायत पर कार्रवाई की जा रही है। खासकर रिश्वत लेने वाले अधिकारी व बाबू को जब पकडा़ जाता है तो जनता सबसे ज्यादा खुश होती है क्योंकि यह रिश्वत लेने की हिम्मत ही तब करते हैं जब उनकी शिकायत होने पर भी कोई कार्रवाई नहीं होती है।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव

अजय दीक्षित

कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होते हैं। अभी मात्र हरियाणा और जम्मूकश्मीर में चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ है। पिछली बार महाराष्ट्र के चुनाव हरियाणा के साथ हुये थे। महाराष्ट्र की विधानसभा हरियाणा की विधानसभा के 22-23 डिन बाद खत्म हो जायेगी। विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि महाराष्ट्र में सत्ताधारी तीन पार्टियों के बीच सीट बंटवारे को लेकर उलझ है। असल में अभी शिवसेना (शिंदे) का मुख्यमंत्री है। देवेन्द्र फडणवीस पूरे मुख्यमंत्री थे। परन्तु केन्द्र के निर्देश पर पुणे उपमुख्यमंत्री पद संभालना पड़ रहा है । अजित गुट भी अभी त्रिशंकु की स्थिति में हैं। उसका कोई नुमाइंदा केन्द्रीय मंत्रिमंडल में जगह नहीं पा सका है। भाजपा चाहती है कि महाराष्ट्र में उनकी पार्टी का मुख्यमंत्री हों। यह शिंदे गुट को पसंद नहीं आयेगा। तो वह असमंजस में है। शिंदे गुट कांग्रेस या शरद गुट एनसीपी से समझौता नहीं कर सकती। अजित गुट इतनी सीटें नहीं जीतेगा कि वह गठबंधन करके सरकार बना लें।

पिछले दिनों गृहमंत्री अमित शाह दो दिन के दौरे पर जम्मू कश्मीर रही थे। उन्होंने घोषणा की है कि अगली सरकार उनकी ही बनेगी। असल में उन्हें जम्मू के हिन्दू वोटों पर भरोसा है। कश्मीर में तो उन्होंने पहले चरण के चुनाव में पांच-सात सीटों पर अपना उम्मीदवार ही नहीं खड़ा किया है। असल में वहां हिन्दू उम्मीदवार मिलना कठिन है। मिल भी जाए तो वह जीतेगा नहीं और मुसलमान उनकी पार्टी में बड़ी संख्या में शामिल नहीं है। जो मुसलमान भाजपा में शामिल हैं, उनके बहुत बड़ा वोट बैंक नहीं है। यही बीजेपी की दुविधा है। जिस प्रकार योगी आदित्यनाथ और डॉ. मोहन यादव हिन्दुत्व की बात करते हैं उस सिद्धांत को देखते हुए भी ज्यादा मुसलमान भाजपा में नहीं जायेंगे। गुलाम नबी आजाद से भाजपा गठबंधन कर सकती है, परन्तु गुलाम नबी आजाद काफी ज्यादा सीटें नहीं जीत पाएंगे। उनकी पार्टी के पास काडर ही नहीं है। लगता है कि वे अकेले उसे पार्टी के सर्वेसर्वा हैं।

गृहमंत्री ने कहा है कि उनकी पार्टी की सरकार बनने पर हिन्दू पंडितों की वापसी होगी और पर्यटन में बढ़ावा देकर रोजगार सर्जित होंगे। अब पांच साल से 370 हटने के बाद उपराज्यपाल सरकार चला रहे हैं। तो इन पांच सालों में कितने कश्मीरी पंडितों की वापसी हुई है। जहां तक पर्यटन का सवाल है आप कश्मीर में एसी चलने लगे हैं तो पर्यटक क्यों कश्मीर जायेंगे। वैसे भी वहां बाहरी लोग आतंकवादियों की निशाने पर हैं, तो लोग आशंकित रहते हैं। असल में प्रकृति के साथ छेड़-छाड़ के कारण न केवल कश्मीर बल्कि मसूरी, नैनीताल में भी अब लोग पंखे चलाते हैं। शायद अगले कुछ सालों में एसी भी चलने लगे।

कश्मीर में सेब की उपज भी कम हो रही है। अत: पर्यटन अब ज्यादा संख्या में कश्मीर का रुख नहीं करेंगे। बेरोज़गारी पूरे भारत की समस्या है। यह केवल कश्मीर की बात नहीं है। कश्मीर की झील में अब जलकुंभी उगने लगी है। लोग झील में कूड़ा फेंक रहे हैं। इन सब कारणों से पर्यटन से रोजगार की समस्या कठिन है। असल में भारत की राजनीति में अब परस्पर वार्ता खत्म हो गई है। कांग्रेस बीजेपी को कोसती है। भाजपा के प्रवक्ता राहुल गांधी को पप्पू कहते हैं या ये दो लड़के (मतलब राहुल गांधी और अखिलेश यादव) असल में कश्मीर की समस्या के लिए वहां के बुद्धिजीवियों को साथ लेना होगा। क्या यह संभव है कि मेहबूबा और फारूक अब्दुल्ला के साथ भाजपा की वार्ता हो सके और फिर मिलकर कश्मीर के विकास पर बात हो। कश्मीर की समस्या इतनी आसान नहीं है जितनी दिखलाई पड़ती है। सबके सहयोग से ही रास्ता निकलेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

कहीं आपके बच्चे स्क्रीन पर ज्यादा वक्त तो नहीं बिता रहे

पिछले दिनों स्वीडन के समाज कल्याण व जन-स्वास्थ्य से जुड़े मंत्री ने कहा कि दो वर्ष तक के बच्चों को किसी भी तरह के डिजिटल उपकरण का उपयोग नहीं करने देना चाहिए, क्योंकि माता-पिता, बाल-रोग विशेषज्ञ और सरकार इस तकनीकी माहौल से कैसे निपटा जाए, इसकी कोशिशों में जुटे हैं।

क्षमा शर्मा

मंत्री ने यह भी कहा कि हमें चीजों को फिर से अपने नियंत्रण में लेना होगा। बचपन को नए सिरे से परिभाषित करना होगा और बच्चों को उनका बचपन वापस लौटाना होगा। उनकी मासूमियत बचाने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य का सही विकास हो, यह भी आवश्यक है।

स्वीडन ने 'स्क्रीन टाइम' के बारे में जो अपनी रिपोर्ट जारी की है, उसकी प्रमुख बातें हैं- दो साल तक के बच्चों को स्क्रीन से बिल्कुल दूर रखा जाए। दो से पांच साल तक के बच्चे एक घंटे, छह से बारह साल के बच्चे दो घंटे और किशोर तीन घंटे से ज्यादा वक्त स्क्रीन पर न बिताएं। सोते वक्त या शयन कक्ष में मोबाइल या किसी किस्म की स्क्रीन का प्रयोग बिल्कुल वर्जित किया जाए। जाहिर है, माता-पिता और अभिभावकों को खास ध्यान देना होगा कि उनके बच्चे कम से कम समय किसी स्क्रीन पर बिताएं। इसके लिए वे अपने बच्चों से ज्यादा बातचीत करें, उन्हें अधिक समय दें। यही नहीं, उनका बच्चा कितना समय स्क्रीन पर बिता रहा है, इस पर नजर जरूर रखें।

अमेरिका और आयरलैंड के बाल रोग विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक बच्चा डेढ़ साल का न हो जाए, तब तक उसे मोबाइल या किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रखा जाना चाहिए। फ्रांस में तो इससे भी आगे की बात कही गई कि तीन साल से पहले बच्चों के हाथों में मोबाइल नहीं थमाना चाहिए और किसी भी तरह की स्क्रीन से उन्हें दूर रखना चाहिए। इसमें टेलीविजन स्क्रीन भी शामिल है। विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि जो बच्चे अभी बोलना, चलना सीख रहे हैं, उनका किसी भी तरह की स्क्रीन पर समय बिताना उन्हें कुछ नहीं सिखाता। एक सर्वे में यह भी पाया गया था कि जो बच्चे स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताते हैं, वे देर से बोलना सीखते हैं।

भारत में भी कोई अच्छी स्थिति नहीं है। यहां भी बच्चे समझते हैं कि लोगों से दूरी और फोन से नजदीकी बहुत अच्छी बात है। विशेषज्ञ लगातार कह रहे हैं कि बच्चों को तकनीक से दोस्ती के मुकाबले इंसान से दोस्ती सिखानी चाहिए। पिछले दिनों डेढ़ लाख लोगों पर किए गए एक सर्वे में यह बात सामने आई थी कि भारत में मानसिक स्वास्थ्य कमजोर होता जा रहा है। हमारे बच्चों और युवाओं में मोबाइल की लत बढ़ती जा रही है। इसके अलावा, यह भी देखने में आया है कि बच्चे और किशोर स्क्रीन टाइम के दौरान कुछ न कुछ खाते रहते हैं। अक्सर वे अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड़, जिसको जंक फूड़ कहा जा सकता है, ही खाते है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्थापित कर चुके हैं कि इनका अधिक उपयोग सेहत के लिए बहुत हानिकारक है। जाहिर है, इससे मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य बिगड़ते हैं, क्योंकि दोनों का आपस में गहरा संबंध है।

स्क्रीन टाइम में बढ़ोतरी के कारण बच्चे अब परिवार वालों से कम बातचीत करते हैं, दोस्तों से मिलते-जुलते नहीं, उनके बीच आपसी संवाद लगातार कम होता जा रहा है। वे बाहर खेलना भी पसंद नहीं करते। इससे सामाजीकरण की प्रक्रिया से वे लगातार बाहर होते जा रहे हैं और अलग-थलग पड़ रहे हैं। यह अकेलापन उनके विकास और भविष्य के लिहाज से बेहद घातक है।

इस स्थिति के लिए सिर्फतकनीक या बच्चों-किशोरों को दोष देना ठीक नहीं है। सच तो यह है कि बहुत हद तक माता-पिता इसके लिए जिम्मेदार हैं। वे अक्सर बच्चों की जिज्ञासा से बचने के लिए उनके हाथ में बचपन से ही मोबाइल पकड़ा देते हैं। कई बार जब कोई रिश्तेदार घर पर आता है, या माता-पिता कहीं जाते हैं, तो वे बच्चों के हाथों में मोबाइल देकर निश्चिंत हो घंटों गपशप करते हैं। इसके कारण भी बहुत सारे छोटे बच्चे मोबाइल की लत के शिकार हो रहे हैं। बच्चों के लिए काम करने वालों की एक बड़ी चुनौती यह भी है, माता-पिता के लिए भी, पर शायद उनका ध्यान इस ओर है ही नहीं। बहुत से लोग सुझाव देते हैं कि इस बारे में माता-पिता की भी ट्रेनिंग की जानी चाहिए। लेकिन ट्रेनिंग कैसे होगी? अगर शहरों में हो भी जाए, तो गांवों के अभिभावक क्या करें, इसके बारे में उन्हें कौन, कैसे, बताएगा।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

भारत के लिए आगे बढ़ने की संभावनाएं खुली

सत्येन्द्र रंजन

पेरिस पैरालम्पिक्स में कुल 23 खेल शामिल हुए। भारत ने अपने सभी पद सिर्फ पांच खेलों- एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शूटिंग, तीरंदाजी और जूडो से जुटाए। जाहिर है, भारत के लिए आगे बढने़ की संभावनाएं खुली हुई हैं। 2008 के बीजिंग पैरालम्पिक्स में भारत ने सिर्फ पांच खिलाड़ी भेजे थे। लेकिन तब से कारवां आगे बढ़ा है। पेरिस में रविवार को खत्म हुए पैरालम्पिक खेलों में इस बार भारत ने रिकॉर्ड कामयाबी हासिल की। सात स्वर्ण, नौ रजत, और 13 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में भारत 18वें नंबर पर रहा। यह पहला मौका है, जब इन खेलों में भारतीय दल ने 29 पदक जीते हैं। और चूंकि पैरालम्पिक खेलों में भारत लगातार प्रगति कर रहा है, तो यह उम्मीद बांधी जा सकती है कि अगले खेलों में भारत सफलता की और सीढियां चढ़ेगा। पेरिस पैरालम्पिक्स में कुल 23 खेल शामिल हुए। भारत ने अपने सभी पद सिर्फ पांच खेलों- एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शूटिंग, तीरंदाजी और जूडो से जुटाए। जाहिर है, भारत के लिए आगे बढने़ की संभावनाएं खुली हुई हैं। 2008 के बीजिंग पैरालम्पिक्स में भारत ने सिर्फ पांच खिलाड़ी भेजे थे। लेकिन तब से कारवां आगे बढ़ा है। 2016 के रियो द जनेरो पैरालम्पिक्स में भारत चार मेडल जीत कर 43वें स्थान पर रहा था। 2020 के टोक्यो पैरालम्पिक्स में भारत ने 19 मेडल जीते और 24वें नंबर पर रहा।

भारत की ये सफलताएं देश में विकलांग व्यक्तियों के प्रति बदलती सोच का संकेत है। देश के एक बड़े जनमत में यह भाव उतरा है कि विकलांगता का मतलब जीवन का बेमतलब होना नहीं है। विकलांगता किसी एक अंग की होती है, जिससे व्यक्ति की बाकी क्षमताएं एवं प्रतिभा अप्रभावित रहती है। आवश्यकता उसे उचित वातावरण उपलब्ध कराने की होती है। यह अच्छी बात है कि भारत सरकार ने विकलांग खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए अधिक धन उपलब्ध कराया है। उनकी ट्रेनिंग और खेल प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के उपाय किए गए हैं। यह सब पर्याप्त नहीं है, लेकिन जो हुआ है, उसे एक प्रगति माना जाएगा। पैरालम्पिक जैसे आयोजनों की तुलना ओलिंपिक्स से करना निरर्थक है। ओलिंपिक्स में वे खिलाड़ी भाग लेते हैं, जिनसे तमाम उम्मीदें रहती हैं। जबकि विकलांग व्यक्ति से समाज तो दूर, परिजन भी कोई आशा नहीं रखते। ऐसे खिलाड़ी तमाम प्रतिकूल चुनौतियों का मुकाबला करते हुए आगे बढ़ते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि हर विकलांग खिलाड़ी के पीछे एक पूरी कहानी होती है। यह कहानी संघर्ष, जीवट और जज्बे की होती है।

किसी समाज को मापने का एक सटीक पैमाना यह है कि वह अपनी कमजोर इकाइयों से कैसा व्यवहार करता है। विकलांगता से ज्यादा बड़ी कुदरती कमजोरी कोई और नहीं हो सकती। इसके अलावा अन्य सभी कमजोरियों का आधार सामाजिक व्यवस्था है। देखा यह गया है कि जब व्यवस्था के केंद्र में हर तबके और हर व्यक्ति के विकास को केंद्र में रखा जाता है, तो उसके करिश्माई नतीजे देखने को मिलते हैं। गौर कीजिए: बीजिंग के घरेलू माहौल को छोड़ कर कभी ऐसा नहीं हुआ कि चीन स्वर्ण पदक जीतने के मामले में ओलिंपिक खेलों में अमेरिका को पछाड़ पाया हो। इस बार इसे उसकी एक बड़ी कामयाबी माना गया कि 40 स्वर्ण पदक जीत कर वह अमेरिका के साथ बराबरी पर रहा। लेकिन पैरालम्पिक्स की बात आते ही सारी कहानी बदल जाती है।

पेरिस पैरालम्पिक्स में चीन ने 94 स्वर्ण, 73 रजत और 49 कांस्य के साथ 216 पदक जीते। दूसरे नंबर पर रहे ब्रिटेन ने 47 स्वर्ण पदक जीते, यानी चीन से ठीक आधा। उसे कुल 120 पदक हासिल हुए। 36 स्वर्ण पदको और 102 के कुल पदकों के साथ अमेरिका तीसरे नंबर पर रहा। दरअसल, इन खेलों में अमेरिका का दबदबा 1996 के बाद ही टूट गया था। साल 2000 के सिडनी पैरालम्पिक्स में ऑस्ट्रेलिया पहले स्थान पर रहा। उसके बाद- यानी 2004 में एथेंस से लेकर 2024 में पेरिस तक पहला स्थान चीन ने हासिल किया है। अब बात सिर्फ पहले नंबर की नहीं है। बल्कि अब चीन का दबदबा इतना ज्यादा है कि बाकी देशों के बीच मुकाबला दूसरे नंबर पर आने के ही बच गया है। इस बात की पुष्टि हाल के हर पैरालम्पिक खेल करते हैं। आखिर इसका राज़ क्या है? हम भारत इस बात पर ध्यान दें, तो ओलिंपिक और पैरालम्पिक दोनों खेलों में भारत की प्रगति के लिए ठोस एवं फलदायी योजनाएं बना सकते हैं। खेल विशेषज्ञों से बात करें, तो चीन की सफलता के कुछ राज़ वे बताते हैं। उनके मुताबिक, चीन सरकार ने विकलांगों से संबंधित खेलों में भारी निवेश किया है। इससे उम्दा दर्जे का खेल ढांचा उपलब्ध हुआ है और ट्रेनिंग की आधुनिकतम सुविधाएं इन खिलाडि़यों को मिलती हैं।

1. सरकार संचालित एथलीट विकास कार्यक्रम के तहत खिलाडि़यों के आगे बढने़ की मजबूत बुनियाद उपलब्ध कराई गई है।
2. प्रतिभा की पहचान और उनकी प्रगति का निरंतर ऑब्जर्वेशन किया जाता है।
3. देश के अंदर विकलांग खेल प्रतियोगिताएं लगातार आयोजित होती हैं, जिनसे खिलाडि़यों को बहुमूल्य अनुभव प्राप्त होता है।

लेकिन वास्तव में यह पहलू पूरी कहानी का सिर्फ एक हिस्सा है। कहानी असल में बुनियादी स्तर पर सबके लिए उपलब्ध सुविधाओं से शुरू होती है। हर व्यक्ति की अपनी जरूरत के मुताबिक मानव विकास की मूलभूत व्यवस्था मौजूद रहे, तो प्रतिभा के झलकने, उसकी पहचान और फिर उसका पोषण करने का तंत्र स्वाभाविक रूप से कायम होता जाता है। अमेरिका में खेल प्रतिभा की पहचान और उसके पोषण की जिम्मेदारी कॉरपोरेट सेक्टर के कंधों पर रही है। ओलिंपिक स्पोर्ट्स में यह ढांचा भी अब तक कारगर है। लेकिन इस ढांचे में मुश्किल यह है कि कंपनियां उन्हीं खिलाडि़यों में निवेश करती हैं, जिनका आगे चल कर वे इश्तहार के रूप में इस्तेमाल कर पाएं। यानी जिनका एनडोर्समेंट उपभोक्ताओं का ध्यान खींचने में सक्षम हो। जैसाकि हमने ऊपर कहा है, हर विकलांग खिलाडि़यों के साथ एक संघर्ष गाथा जुड़ी होती है। दरअसल, उसके साथ एक एक व्यथा कथा भी जुड़ी होती है। इसलिए उनका खेलना ही महत्त्वपूर्ण है।

(ये लेखक के विचार हैं)

क्रूरतम और वीभत्स मुकाम मानव विवेक के लिए स्वीकार करना नामुमकिन

लोग जब बलात्कार जैसी घटना को नजारे की तरह देखने लगें, तो निशब्द होने के अलावा किसी विवेकशील व्यक्ति के पास और क्या बच जाता है? उज्जैन में जो दिखा, उसे मानवीय चेतना पर प्रहार के अलावा और क्या कहा जा सकता है? उज्जैन में जो हुआ, मानव विवेक के लिए उसे सहज स्वीकार करना नामुमकिन है। कोई मुजरिम सरेआम फुटपाथ पर बलात्कार करे, यही अपने-आप में आहत करने वाली बात है। उससे भी ज्यादा संवेदना को चोटिल करने वाला पहलू यह है कि राहगीर उसे देखते रहें, उनमें से कुछ अपने स्मार्टफोन पर वीडियो बनाएं, और फिर वीडियो को कुछ बड़ा हासिल कर लेने जैसे भाव के साथ सोशल मीडिया पर अपलोड करें! घटना को रोकने की कोशिश तो दूर, उन दर्शकों में से कोई ऐसा नहीं निकला जो कम-से-कम शोर मचाता या पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर फोन करता। यहां तक कि घटना हो जाने के बाद भी किसी ने पुलिस को सूचना देने की जरूरत नहीं समझी! लोग जब बलात्कार जैसी घटना को नजारे की तरह देखने लगें, तो निशब्द होने के अलावा किसी विवेकशील व्यक्ति के पास और क्या बच जाता है? ऐसी घटनाएं पहले हत्या और दूसरे अपराधों के मामले में हुई हैं। आपदा एवं मानवीय त्रासदी के कई मौकों पर भी देखा गया है कि लोग पीड़ित की मदद करने के बजाय वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर डालने में मशगूल रहे।

यह बेहिचक कहा जा सकता है कि उज्जैन में यह ट्रेंड अपने क्रूरतम और वीभत्स मुकाम तक पहुंच गया। बलात्कार जैसे सिरे से अस्वीकार्य जुर्म के समय भी लोगों की संवेदना इतनी कुंद पड़ी रहे, तो फिर न्याय या व्यवहार में मानवीयता बने रहने की कितनी उम्मीद बची रहेगी? इस सामाजिक मनोविज्ञान के बीच ये समझना आसान हो जाता है कि क्यों पिछले दस वर्षों में कानून के राज को निष्प्रभावी करने का एक राजनीतिक प्रयोजन बिना किसी सार्थक प्रतिरोध के आगे बढ़ता चला गया है। मगर, यह लोगों को समझना चाहिए कि जिस तरह वे जघन्यतम अपराधों के सामने भी असंवेदनहीन होते जा रहे हैं, उसका परिणाम देर-सबेर सबको भुगतना होगा। सामाजिक चेतना ही कानून और कानून लागू करने वाली एजेंसियों का प्रेरक तत्व होती है। इसका अभाव समाज को अराजकता और फिर बर्बरता की तरफ ले जाता है। उज्जैन में आखिर जो दिखा, उसे मानवीय चेतना पर प्रहार के अलावा और क्या कहा जा सकता है?

(आरएनएस)

राजनैतिक दलों में परस्पर सम्मान क्यों नहीं?

पिछले दिन विनेश फोगट और पूनिया के कांग्रेस में शमिल होने पर भाजपा के प्रवक्ता कह रहे हैं कि पिछले साल पहलवानों का आन्दोलन बृजभूषण के खिलाफ कांग्रेस द्वारा प्रायोजित था । पहले भी खिलाडि़यों ने राजनैतिक दलों की सदस्यता ली है । गौतम गंभीर को सन् 2019 में दिल्ली से लोकसभा के लिए चुनाव लड़वाया गया था । राजवर्धन तो मंत्री भी रहे हैं । अनेक विभिन्न खेलों के खिलाड़ी किसी खास राजनैतिक दल के पक्ष में वक्तव्य दे चुके हैं । ज्यादातर खिलाड़ी सत्ता पक्ष के साथ रहते हैं । इससे उन्हें सुविधा मिलती है । यूं मोदी जी के कार्यकाल में खिलाडि़यों को काफी प्रोत्साहन मिला है । अब जीतने वाले खिलाडि़यों को करोड़ों में ईनाम मिलता है । विनेश फोगट के मन की टीस को कौन समझ सकता है । आज भाजपा, कांग्रेस तथा लेफ्ट पश्चिमबंगाल में हुये टेप काण्ड के बाद ममता बनर्जी का इस्तीफा मांग रहे हैं । क्या रेप घटना मात्र पश्चिम बंगाल में होती है? रोज तो किसी न किसी प्रदेश में ऐसी घटनाओं की खबर आती रहती है । भाजपा के एक मंत्री जो अपने को संत भी कहते थे, ऐसे आरोप सिद्ध होने के बाद त्यागपत्र दे गये । कुश्ती संघ के तत्कालीन अध्यक्ष के खिलाफ इन महिला पहलवानों ने घृणित आरोप लगाये हैं । तब इन प्रदर्शनकारियों के साथ कोई नहीं आया । पुलिस ने भी इनके साथ अन्याय किया । तो क्या इसका आक्रोश इन महिला खिलाडि़यों को नहीं होना चाहिए ? बृजभूषण का असर कम से कम पांच-छ॰ लोकसभा सीटों पर है तो ये अब भी भाजपा के सदस्य हैं।

असल में भारत में किसी भी राजनैतिक दल में आंतरिक स्वराज्य नहीं है । शायद सी.पी.एम. या सी.पी.आई. में हो । बी.एस.पी. में मायावती सर्वेसर्वा हैं । कांग्रेस में सोनिया गांधी सर्वेसर्वा हैं । खडगे़ तो नाममात्र के अध्यक्ष हैं । किसी मीटिंग में बीच की कुर्सी पर राहुल गांधी बैठते हैं । सपा में अखिलेश यादव सर्वेसर्वा हैं । लाल प्रसाद प्रसाद अपनी पार्टी के सर्वेसर्वा हैं । जे.डी.यू. में नितीश कुमार शिवसेना की एक गुट के सर्वेसर्वा शिंदे हैं । दूसरे गुट के उद्धव ठाकरे । सभी लोग परिवारवाद की आलोचना करते हैं परन्तु तृणमूल कांग्रेस में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की चलती है । उद्धव ठाकरे का बेटा मंत्री रहा है । अभी हरियाणा में वहां कम से कम आठ-दस उम्मीदवार वहां के प्रभावशाली नेताओं के पुत्र, पुत्री, माता या अन्य रिश्तेदार हैं । अब तो पार्टी में दरी बिछाने वाले कहने लगे हैं कि भाजपा में भी अब पैराशूट प्रत्याशी उतारे जाते हैं यानि दूसरी पार्टी से आये प्रत्याशी । भाजपा में अंतिम निर्णय मोदी जी का ही है । गांधी जी के भाषणों की एक किताब नवजीवन प्रेस ने छापी है । उसमें एक जगह गांधी जी पूछते हैं कि कांग्रेस का अध्यक्ष तो खादी पहनता है और तीसरे दर्जे में सफर करता है परन्तु कुछ प्रांतों के प्रधानमंत्री (तब मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री कहते थे) विलायती कपड़े पहनते हैं और फर्स्ट-क्लास में सफर करते हैं यानि गांधी जी की नजर में पार्टी का अध्यक्ष मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री से बड़ा होता है । कल ऐसा किसी भी राजनैतिक दल में हैं आज भाजपा को भी मिलाकर । उन दिनों हिन्दू महासभा ने मुस्लिम लीग के साथ मिल कर सिंध, बंगाल आदि में सरकार बनाई थी ।

आज भारत में किसी भी राजनैतिक दल में नेतृत्व की दूसरी कतार नहीं है । भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल और दिल्ली सिरदर्द है । दिल्ली में केजरीवाल के खिलाफ किरण बेदी को उतारा था, यह सोचकर कि वे भी अन्ना के आन्दोलन से निकलीं हैं । परन्तु मुख्यमंत्री तो क्या वे अपनी सीट भी नहीं जीत पाईं । असल में देश का भला तभी होगा जब राजनैतिक दल स्वयं की न सोचकर देश की सोचेंगे।।

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

खास खबर

बीएसपी में सेल अधिकारियों के लिए लिंक्डइन लर्निंग कार्यशाला

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास केंद्र में लिंक्डिन लर्निंग, एक अमेरिकी ऑनलाइन शिक्षण मंच के विशेषज्ञों द्वारा 13 सितंबर 2024 को एक इंटरेक्शन सत्र आयोजित किया गया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की दो सदस्यीय लिंक्डइन टीम में क्षेत्रीय निदेशक अनूप मेनन और सीनीयर कस्टमर सक्सेस मैनेजर अमित मुखर्जी शामिल थे। लिंक्डइन की टीम ने बीएसपी के उन लाइसेंस प्राप्त अधिकारियों से बातचीत की, जिन्हें लिंक्डइन लर्निंग के ऑनलाइन वीडियो कोर्स में भाग लेने के लिए चुना गया। लिंक्डइन लर्निंग लाइसेंस प्राप्त पाठ्यक्रमों का उद्देश्य बीएसपी, अधिकारियों की व्यावसायिक दक्षताओं को बढ़ाना और उन्हें सेल के शीर्ष शिक्षार्थियों के रूप में विकसित करना है। इस चर्चा में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार और मुख्य महाप्रबंधक निशा सोनी भी उपस्थित थे। पवन कुमार और निशा सोनी ने प्रतिभागियों से लाइसेंस का पूरा उपयोग करने और लिंक्डइन लर्निंग प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने का आग्रह किया। ताकि नए और प्रासंगिक कौशल विकसित किए जा सकें और अपने करियर को आगे बढ़ाया जा सके। साथ ही अर्जित कौशल तथा विशेषज्ञता का उपयोग करके सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र में योगदान दिया जा सके। इस अवसर पर उन्होंने लर्नर्स को प्रोत्साहित करने के लिए, लिंक्डइन लर्निंग प्लेटफॉर्म पर प्रतिभागियों में से शीर्ष 5 लर्नर्स को पुरस्कार भी दिए। इस कार्यक्रम का संचालन और समन्वय प्रबंधक अवंती वुचुला द्वारा किया गया। लिंक्डइन टीम ने काम की इस तेजी से बदलती दुनिया में सीखने के सर्वोत्तम तरीकों पर विचार–विमर्श किया है। जिसके अंतर्गत, उन्होंने कार्यबल उत्पादकता में सुधार के लिए और बदलते काम के रुझानों के साथ तालमेल रखने के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। लिंक्डइन लर्निंग एक अमेरिकी ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म है।

राष्ट्रभाषा हिन्दी आज विश्व भाषा के रूप में प्रतिष्ठित है : आचार्य डॉ महेश चंद्र शर्मा

भिलाई। हिन्दी दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक महासंघ द्वारा हाउसिंग बोर्ड सियान सदन में 14 सितंबर को एक अनूठा साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों ने अपने स्कूल एवं कालेज के दिनों में पढ़े हुए हिंदी के राष्ट्रीय स्तर के लोकप्रिय एवं प्रसिद्ध कवियों की रचनाओं का काव्य पाठ किया। गोष्ठी में प्रसिद्ध कवि माखनलाल चतुर्वेदी की रचना पुष्प की अभिलाषा, सुभद्रा कुमारी चौहान की झांसी की रानी, हरिवंश राय बच्चन की जो बीत गई सो बात गई, रामधारी सिंह दिनकर की कलम आज उनकी जय बोल एवं समर शेष है, मैथिलीशरण गुप्त की नर हो न निराश करो मन को, महादेवी वर्मा की जो तुम आ जाते एक बार, सुभद्रा कुमारी चौहान की वीरों का कैसा हो बसंत, नागार्जुन की गुलाबी चूड़ियां, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की वर दे वीणा वादिनी वर दे एवं वह तोड़ती पत्थर गजानन माधव मुक्तिबोध की मुझे कदम–कदम पर तथा पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी की मातृ मूर्ति, मुकुटधर पांडेय की धूप में छांव में जैसी प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय कविताओं का अलग अलग वरिष्ठ जनों ने काव्य पाठ किया। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार आचार्य डॉ महेश चंद्र शर्मा ने की।अपने स्कूल एवं कालेज के दिनों में पढ़े हुए प्रसिद्ध कविताओं को सुनकर उपस्थित वरिष्ठ नागरिक गण आनंदित होते रहे।

विसर्जन के लिए भिलाई निगम ने तय किए तालाब, आयुक्त ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम ने गणपति विसर्जन के लिए शहर में कुछ तालाब निर्धारित किए है। निगम आयुक्त देवेश ध्रुव ने इस संबंध में दिशा निर्देश जारी किया है। आयुक्त ने कहा है कि मूर्ति विसर्जन से जल स्त्रोतो की गुणवत्ता प्रभावित होती है। जिसके कारण जलीय जीव–जन्तुओ के जान को खतरा होता है, जिससे जल प्रदुषित होता है। केन्द्रीय प्रदुषण बोर्ड द्वारा जारी आदेशानुसार मूर्ति विसर्जन क्षेत्र के चिन्हित तालाबो में बनाए गए पॉड पर ही विसर्जन करें। जिससे जल प्रदुषण को रोका जा सके और जलीय जीव जन्तुओ को भी बचाया जा सके।

बता दें छत्तीसगढ़ शासन आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर द्वारा मूर्ति विसर्जन हेतु दिशा निर्देश जारी किया गया है। शासन के आदेश का पालन करते हुए नगर निगम भिलाई द्वारा सभी जोन क्षेत्र के तालाबों में मूर्ति विसर्जन के लिए अस्थाई पॉड का निर्माण किया गया है। जहां भी गणपति बप्पा विराजे हैं उन समितियों को निगम क्षेत्र के चिन्हित

तालाबों में बनाये गए अस्थाई पॉड में ही मूर्ति विसर्जित करना है। प्राय: यह देखा जाता है कि श्रद्वालुओ द्वारा मूर्ति विसर्जन के दौरान स्वयं पानी के गहराई में चले जाते है जिससे उनके जान को खतरा बना रहता है। इस हेतु निगम के वार्ड सुपरवाईजरो की डयूटी लगाई गई है। ताकि मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना न हो।

इन तालाबों में होगा मूर्ति विसर्जन

निगम भिलाई अलग अलग वार्डों में मूर्ति विसर्जन के लिए तालाब निर्धारित किए हैं। जोन क्रमांक 1 में वार्ड 01 खम्हरिया आमाबंध तालाब, खम्हरिया शीतला तालाब, जुनवानी शीतला तालाब, वार्ड 07 राधिका नगर आमा तालाब, वार्ड 11 फरीद नगर लिम्हा तालाब व वार्ड 13 आर्यनगर शीतला तालाब चिह्नांकित है। जोन–02 में वार्ड 16 शीतला तालाब सुपेला, वार्ड 22 कुरूद नकटा तालाब, शीतला तालाब, वार्ड 26 रामनगर मुक्तिधाम तालाब निर्धारित है। इसी प्रकार जोन–03 में केम्प 02 तालाब, जोन–04 में वार्ड 40 छावनी दर्री तालाब और जोन 5 में वार्ड 65 सेक्टर 07 शिवधाम तालाब व वार्ड 70 हुड़को तालाब को निर्धारित किया गया है।

इन तालाबो में नहीं होगा मूर्ति विसर्जन

जिन तालाबों में मूर्ति विसर्जन प्रतिबंधित किया गया है उनमें वार्ड 02 स्मृति नगर तालाब थाना के सामने, वार्ड 04 नेहरू नगर भेलवा तालाब, वार्ड 06 संजय नगर तालाब, वार्ड 13 साकेत नगर भेलवा तालाब, वार्ड 13 हरी तालाब एवं बंधन तालाब, वार्ड 25 सूर्यकुण्ड हाउसिंग बोर्ड, सेक्टर 02 तालाब, वार्ड 50 बाबा बालकनाथ मंदर, वार्ड 41 छावनी लक्ष्मण नगर तालाब और वार्ड 13 बापू सरोवर शामिल हैं। नगर निगम भिलाई के महपौर नीरज पाल एवं आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने सभी श्रद्वालुओं से अपील करते हुए कहा है कि सभी जोन में गणेश प्रतिमा विसर्जन हेतु तालाब निर्धारित किया गया है। वही पर अस्थाई विसर्जन कुण्ड भी बना है, गणेश प्रतिमा का विसर्जन वहीं पर सावधानी पूर्वक करें।

विधायक रिकेश ने की गणेश समितियों से अपील, कहा–

पितृ पक्ष शुरू होने से पहले कर दें गणपति विसर्जन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने विधानसभा क्षेत्र के सभी गणेश उत्सव समितियों से आग्रह किया है कि वे अनंत चतुर्दशी तक भगवान गणेशजी की प्रतिमा विसर्जन अवश्य कर लें। विधायक सेन ने कहा कि पितृ पक्ष के दौरान घर–घर में मृत आत्माओं की शांति पूजा की जाती है इसलिए पितृ पक्ष में भगवान की प्रतिमा का विसर्जन नहीं करना चाहिए।

विधायक रिकेश ने कहा कि गणेश स्थापना के 11वें दिन अनंत चतुर्दशी को प्रतिमाओं का विसर्जन करना शास्त्र सम्मत है, क्योंकि पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होता है जो अमावस्या तक चलता है। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार पितृ पक्ष के 16 दिन तक मृत आत्माओं यानि पितरों को पूजने का विधान है, इसलिए इस दौरान भगवान की प्रतिमा विसर्जित नहीं करनी चाहिए। वैशाली नगर विधानसभा में सैकड़ों बड़ी छोटी गणेशोत्सव समितियों ने भगवान गणेशजी की प्रतिमा स्थापित की है, सभी जगह बेहतर व्यवस्था अनुरूप अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन भी हो रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि सभी गणेश उत्सव समितियां हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुरूप शास्त्र सम्मत ढंग से गणेशजी विसर्जन के आयोजन को भी निश्चित समय अनुरूप शासन प्रशासन की गाइड लाइन का पालन करते हुए पितृ पक्ष से पूर्व पूरा करेंगी।

सीओ-सीसीडी में बेहतर कार्यशैली के लिए कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित हुए कर्मचारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात सयंत्र में, शिरोमणी पुरस्कार योजना के अंतर्गत, उत्कृष्ट तथा अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए, पाली व कर्म शिरोमणि पुरस्कार दिया जाता है। कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग विभाग में कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन, 13 सितम्बर 2024 को सीओ–सीसीडी के सभागार में किया गया था। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तरुण कनरार थे तथा विशिष्ठ अतिथि मुख्य महाप्रबंधक तुलाराम बेहेरा थे।

तरुण कनरार ने शिरोमणि पुरस्कार समिति द्वारा अनुशंसित, इंजीनियरिंग असोसिएट अर्जुन राम ठाकुर एवं इंजीनियरिंग असोसिएट दया राम धुर्वे को अगस्त 2024 के लिए, कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके अंतर्गत विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र तथा उनके जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने, दोनों विजेताओं को सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, लगन से कार्य करते रहने तथा अपने अधीनस्थ कार्मिकों को भी कार्य में दक्ष करने के लिए प्रेरित किया। तुलाराम बेहेरा ने दोनों पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए उनके बेहतर कार्यशैली को सतत बनाये रखकर, सुरक्षा के साथ उत्पादन कार्य में इसी तरह अपना सहयोग करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस समारोह में सीओ–सीसीडी के अनुभाग प्रमुख महाप्रबंधक झगर सिंग, महाप्रबंधक बी पासवान सहायक महाप्रबंधक एल आर सोमकुंवर व अन्य अधिकारीगण उपास्थित थे।

गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए नदी पर निगम कर्मी रहेंगे तैनात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 15 सितंबर।नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा गणेश उत्सव के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर विराजे भगवान गणेश की प्रतिमाओं को पूर्ण विधि–विधान के साथ विसर्जित कराने के लिए अनन्त चतुर्दशी पर नगर निगम द्वारा विसर्जन शिवनाथ नदी सहित शहर के कुछ तालाबो को चिन्हित कर व्यापक व्यवस्थाएं की हैं।

उक्त व्यवस्था के संपादन के लिए विसर्जन समाप्ति तक निरंतर सुनिश्चित कराने के लिए कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम को नोडल अधिकारी के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई है।विसर्जन कार्यक्रम स्थल पर संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्युटी लगाई जाकर मूर्ति विसर्जन हेतु पहुंच मार्ग, समतलीकरण, अस्थाई कुण्ड निर्माण, वाटर प्रुफ शमियाना एवं कुर्सी, टेबल की व्यवस्थाएं देखेंगे।

महापौर धीरज बाकलीवाल ने गणेश विसर्जन को लेकर नागरिको से अपील की हैं कि नदी व वार्डो के तालाबो में निगम द्वारा बनाये गए कुंड में ही पूजन सामग्री के एकत्रीकरण में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि वार्डो के तालाबो में चिन्हित स्थानों पर अस्थायी पर्यावरण हितेषी कुण्ड रखें गए है।साथ ही नागरिको को पर्यावरण सुरक्षा व जल प्रदूषण को रोकने की दृष्टि से विसर्जन से पूर्व भगवान श्री गणेश प्रतिमा की पूजन सामग्री यथा माला,वस्त्र ,नारियल,फूल व पत्ती को एक कुंड पर विसर्जन करने की अपील भी की गई है।उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश प्रतिमा विसर्जन हेतु तालाब निर्धारित किये गये वही पर विसर्जन करें।

निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने नगर निगम व पुलिस प्रशासन के आपसी समन्वय से व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने तैनात किया है। निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने शहर पर समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं विधिवत पारम्परिक रूप से समय सीमा में पूर्ण कराने का दायित्व संबंधित अधिकारी/कर्मचारियो को सौंपा है। यह अधिकारी/कर्मचारी इन पुलगांव वार्ड 55 शिवनाथ नदी गुरुद्वारा के निकट, महमरा घाट,शक्ति नगर, सतरूपा शीतला कसारीरीडीह तालाब,वार्ड 57 व 58 पौण्ड के पास तालाब पर तैनात रहेंगे।

नबी की आमद की खुशियां बिखरी, जुलूसे मुहम्मदी निकलेगा कल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पैगम्बरे इस्लाम हज़रत मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम की यौमे पैदाइश पर जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जश्न शहर में शुरू हो चुका है। शहर के अलग–अलग हिस्सों में अंजुमनों की ओर से कुरआन ख्वानी व दरुद ख्वानी का सिलसिला चल रहा है।

वहीं 16 सितंबर को शहर में जुलूसे मुहम्मदी निकलेगा। इसके साथ ही परचमे इस्लाम फहराया जाएगा और आलिमे दीन की तकरीर होगी। जश्ने ईद मिलादुन्नबी को देखते हुए शहर में तमाम मस्जिदों–मदरसों में खास तौर पर रोशनी की गई है। भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के सदर मिर्जा आसिम बेग ने बताया कि कि जुलूसे मुहम्मदी का आगाज़ 16 सितंबर को दोपहर 2:00 बजे गौसिया मस्जिद केम्प–1 से होगा। जुलूस की कयादत मेहमान–ए–खुसूसी शहजादे आला हजरत अल्लामा तौसीफरज़ा खान किबला बरेली शरीफकरेंगें। जुलूस लिंक रोड से होता हुआ केम्प–2 रज़ा जामा मस्जिद दोपहर 2:45 बजे तक पहुंचेगा।

वहां से मदरसा रोड से शीतला कॉम्पलेक्स से नंदिनी रोड फिर ओवर ब्रिज से पार कर शाम 4:00 बजे मुर्गा चौक पहुंचेगा। जहां पर हाउसिंग बोर्ड, खुर्सीपार, जोन–1/2 व जोन–3 से आने वाली अन्जुमने भी शामिल होंगी।। फिर पं. रविशंकर शुक्ल मार्ग (सेंट्रल एवेन्यू) से सेक्टर–5 चौक होते हुए शाम 5:45 बजे सेक्टर–6, जामा मस्जिद के ईदगाह मैदान में शाम 6:00 बजे पहुंचेगा। यहां परचमे इस्लाम फहराया जाएगा। इसके बाद मग़रिब की नमाज होगी और शाम 6:30 बजे से तकरीरी प्रोग्राम शुरु होगा। सेक्टर–7 में जश्ने ईद मिलादुन्नबी के सिलसिले में आयोजनों की शुरुआत शनिवार की शाम हाजी सैयद अनवर अली के क्वार्टर नंबर 6 बी, स्ट्रीट–19 में दरूद ख्वानी से हुई। यहां रविवार 15 सितंबर को बाद नमाज मगरिब नात ख्वानी होगी। इसके बाद सोमवार 16 सितंबर को सुबह 8 बजे हाजी अनवर के घर से जुलूस ए मुहम्मदी निकलेगा जो सेक्टर–7 मार्केट से विभिन्न स्ट्रीट से गुजरते हुए वापस मदरसा पहुंचेगा उसके बाद यहां परचम कुशाई की रस्म अदा की जाएगी।यहां अल मदद वेलफेयर सोसाइटी की ओर से बेहतर परीक्षा परिणाम लाने वाले बच्चों की हौसला अफ्जाई के लिए उन्हें इनाम बांटे जाएंगे। वहीं मदरसों के बच्चों का इस्तकबाल किया जाएगा।

सैयय्दी सुन्नी जामा मस्जिद मजार कमेटी भिलाई–3 की ओर से जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर 8 सितंबर से 17 सितंबर तक आयोजन हो रहे हैं। यहां सितंबर से 13 सितंबर तक स्वास्थ्य शिविर लगाया गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों ने हजारों लोगों को नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया। वहीं जरूरी पैथोलॉजिकल जांच भी निशुल्क की गई। 12 सितंबर को मौलाना शोएब रज़ा आसवी साहब की तकरीर,13 सितंबर को औरतों की मिलाद शरीफऔर 14 शनिवार को सितंबर को इस्लामिक क्विज कांटेस्ट रखी गई 15 सितंबर रविवार को सुबह रक्तदान शिविर ओर शाम को सम्मान समारोह आयोजित किया गया है।यहां 16 सितंबर को सुबह फज्र की नमाज के बाद परचम कुशाई होगी। वहीं 17 सितंबर को आम लंगर रखा गया है। ईद मिलाद–उन–नबी के सिलसिले में मदरसा जामिया अरबिया पावर हाउस कैंप–2 में मुफ्ती सालिम ने लोगों से हज़रत मुहम्मद सल्ललाहु अलैहि वसल्लम वाली पाकीजा जिंदगी अपनाने की अपील की है।

भिलाई में स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र में भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत, स्वच्छता ही सेवा–2024 अभियान का आयोजन 14 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक किया जा रहा है। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का शुभारंभ शनिवार को को मुख्य महाप्रबंधक (टीएसडी एवं सीएसआर) उत्पल दत्ता ने जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। स्वच्छता अभियान रैली सेक्टर–8 जनस्वास्थ्य विभाग से प्रारंभ होकर इस्पात नगरी का भ्रमण करते हुए नगर सेवाएं विभाग, सिविक सेंटर में समाप्त हुई।

नगर सेवाएं विभाग पहुंचने पर मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं एवं सीएसआर) उत्पल दत्ता ने रैली में भाग लेने वाले जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्वच्छ भारत, स्वच्छ भिलाई के नारे लगाए। अतिथियों ने इस अवसर पर रैली में भाग लेने वाले सदस्यों को सम्बोधित

करते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और इस राष्ट्रीय अभियान के प्रति आम जनजागृति लाने का आव्हान किया। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को अपना योगदान देने आगे आने के लिए उत्साहित किया।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में जागरूकता रैली के दौरान, ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सेफी चेयरमेन एन के बंछोर, महासचिव परविंदर सिंह, भिलाई इस्पात संयंत्र के महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) विष्णु पाठक, केके यादव, पीआर नोरके, महाप्रबंधक (जनसंपर्क) प्रशान्त तिवारी, उप महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) आर गर्ग, रवि कुमार फुले, आरके साहू, एमके साहू, सहायक महाप्रबंधक वाईके साहू, यशवंत कुमार, सरोज झा, वरिष्ठ प्रबंधक एके बंजारा, उप प्रबंधक मिलिंद बंछोर, तथा नगर सेवा विभाग के विभिन्न सेक्शन के कार्मिकगण उपस्थित थे। भिलाई नगर पालिक निगम के जनसम्पर्क प्रभारी अजय शुक्ला भी पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त रैली में भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारीगण, नगर निगम और राज्य शासन के अधिकारी और कर्मचारी, भारी संख्या में सफाई सेवक और इस्पात नगरी के नागरिक सहित 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

शुभारंभ कार्यक्रम में स्वैच्छिक श्रमदान, स्वच्छता शपथ–ग्रहण के साथ मानव–श्रृंखला, कचरा संग्रहण आदि अन्य गतिविधियां भी शामिल थी। स्वच्छता अभियान रैली को नेतृत्व करते हुए पुलिस प्रशासन तथा यातायात विभाग ने अपना सहयोग प्रदान किया। स्वच्छता ही सेवा–2024 अभियान के तहत निकाली गई रैली में भारी संख्या में लोग उपस्थित थे, सफाईकर्मियों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी दी तथा सफाई वाहनों सहित 100 से अधिक वाहनों ने भाग लिया।

इन गतिविधियों के साथ ही 14 सितम्बर को टी ए बिल्डिंग सभागार में दोपहर 2.30 बजे, स्वच्छता पर निर्मित लघु फिल्म का प्रथम प्रदर्शन भी किया गया। स्वच्छ राष्ट्र के लिए, राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक गतिशीलता और प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु यह अभियान चलाया जा रहा है। जागरूकता रैली के अंत में वरिष्ठ महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) श्री आर के गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस रैली के तहत बीएसपी के संयंत्र परिसर, टाउनशिप एवं बीएसपी के अन्य विभागों में विभिन्न गतिविधियों और स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

स्वच्छता ही सेवा–2024 अभियान के कार्यक्रम की अगली कड़ी में 16 सितम्बर 2024 को सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर–10 में सुबह 10:00 बजे सफाई अभियान चलाया जायेगा। स्वच्छता ही सेवा–2024 अभियान, स्वच्छता के प्रति एक संशोधित दृष्टिकोण को दैनिक जीवन के मुख्य भाग के रूप में प्रोत्साहित करता है।

खास खबर...

तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन 21 को

रायपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला एवं सत्र न्यायालय में तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन 21 सितंबर 2024 को किया जाना है। इस बार भी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरण निराकरण करने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के अध्यक्ष, जिला न्यायाधीश अब्दुल जाहिद कुरैशी द्वारा नियमित रूप से समस्त विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक ली जा रही है तथा सूक्ष्मता के साथ लोक अदालत की तैयारी पर निगरानी रखी जा रही है। नेशनल लोक अदालत में क्लेम संबंधी, परिवार के विवाद संबंधी, श्रम संबधी, बैंक संबंधी, चेक बाउन्स संबंधी, यातायात संबंधी, जलकर, बीएसएनएल. नगर निगम संबंधी, विद्युत संबंधी, धारा 138 एनआईए. संबंधी मामलों को चिन्हांकित कर रखा जा रहा है तथा शासन की योजनाओं का लाभ भी आम जन को प्राप्त हो, इस के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग एवं श्रम विभाग के साथ बैठक कर उन्हें नेशनल लोक अदालत के दिन हितग्रहियों को प्राप्त होने वाले लाभ को वितरण करने निर्देशित किया गया है, ताकि अधिक से अधिक व्यक्तियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के अध्यक्ष, जिला न्यायाधीश अब्दुल जाहिद कुरैशी द्वारा रायपुर के सभी नगरवासियों से अपील की है कि, यदि उनका मामला सिविल न्यायालय या राजस्व न्यायालय में लंबित है और वह सरल, तथा सुगम तरीके से राजीखुशी से अंतिम रूप से अपने प्रकरण का निराकरण कराना चाहते है तो 21 सितंबर 2024 को नेशनल लोक अदालत जिला न्यायालय परिसर में उपस्थित होकर अपने प्रकरण में नेशनल लोक अदालत के माध्यम से लाभ प्राप्त कर सकते है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री रमेश कुमार चैहान ने कहा कि, राज्य का कोई भी सम्मानित नागरिक नेशनल लोक अदालत की अधिक जानकारी हेतु नालसा के हेल्प लाईन नंबर 15100 पर कॉल करके जानकारी ले सकता है या निकट के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण या तालुका विधिक सेवा समिति में भी सपर्क करके जानकारी ले सकता है। इस बार भी नेशनल लोक अदालत में पेंशन लोक अदालत का आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के मार्गदर्शन में जिला रायपुर में किया जा रहा है। पेंशन बकाया, पेंशन वृद्धि के बकाया एवं पेंशन संबंधी उनके मामलों के संबंध में पेंशनधारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर में संचालित पेंशन लोक अदालत में अपना मामला प्रस्तुत कर सकते हैं।

बिजली तार को घर के सामने से हटाया गया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में एक फोन कॉल पर समस्या का समाधान हो रहा है। मोवा के लोहिया नगर क्षेत्र निवासी एनके साहू ने घर के सामने से बिजली तार हटवाने की शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि उनके पडोसी ने नया बिजली कनेक्शन लिया है। जिसकी केबल उनके घर के सामने से गया था। जिसको लेकर उन्होंने कलेक्टोरेट के जनसमस्या निवारण कॉल सेंटर में फोन किया और जहां से उनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिए संबंधित विभाग को जानकारी दी गयी। जिसके संबंधित विभाग के अधिकारियों ने बिजली केबल को उनके घर के सामने से हटा दिया है। जिसकी जानकारी श्री साहू की दी गई। समस्या का निदान होने पर खुश है और उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

घर-घर पहुंचकर स्वास्थ्य अमला बना रहा छूटे हुए का आयुष्मान कार्ड

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर जिले का स्वास्थ्य अमला घर-घर पहुंचकर छूटे हुए का आयुष्मान कार्ड बना रहे हैं। इसके लिए कलेक्टर ने आगामी 10 दिनों तक खंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के घरों में पहुंचकर कर्मचारी अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाएं। इसके लिए प्रशिक्षण भी कर्मचारियों को दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मिथिलेश चैधरी ने बैठक लेकर जिले में आयुष्मान योजना का लाभ अधिक से अधिक दिलाने के निर्देश दिए है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी घर-घर पहुंचकर नागरिकों का आयुष्मान कार्ड बना रही है। इसमें पांच लाख रूपए तक इलाज की सुविधा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मिथिलेश चौधरी ने बताया कि नागरिकों के निरंतर आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं, लेकिन जिन नागरिकों का आयुष्मान कार्ड नहीं बना हैं, उनका कार्ड जल्द से जल्द बनाया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर पर पहुंचकर आयुष्मान कार्ड बना रही है। इसके लिए शहरी क्षेत्रों के एएनएम, सुपरवाइजर की बैठक भी बुलाई गई थी। बैठक में सभी को निर्देश भी दिए गए है।

जल-जीवन मिशन से ग्राम कुरदी में हर घर को मिल रहा है शुद्ध पेयजल

ग्रामीणों ने शासन और प्रशासन का जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गर्मियों के दिनों में पेयजल की विकट समस्या से जूझते ग्राम कुरदी के निवासियों को अब जल-जीवन मिशन के बेहतर संचालन के माध्यम से शुद्ध पेयजल मिल रहा है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक घर में नल कनेक्शन प्रदान कर शुद्ध पेयजल की सुविधा दी जा रही है, जिससे ग्रामीण बेहद खुश हैं और उन्होंने शासन और प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

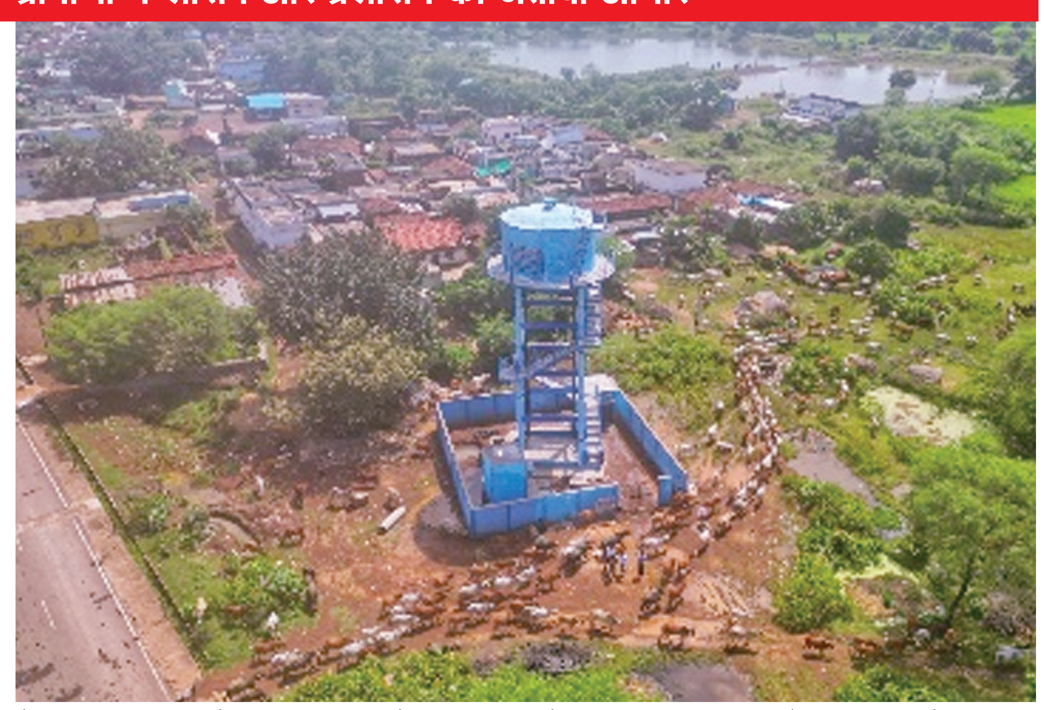

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत कुरदी में 'हर घर जल' रेटरोफिटिंग योजना के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने उच्च स्तरीय पानी की टंकी का निर्माण किया और पाइपलाइन का विस्तार किया। इस योजना के माध्यम से अब हर घर में प्रतिदिन सुबह और शाम शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

ग्राम पंचायत के सरपंच संजय कुमार साहू ने बताया कि पहले ग्राम में पानी की कमी की वजह काफी समस्या थी। कई बार अन्य गांवों से टैंकरों के माध्यम से पानी मंगवाया जाता था, लेकिन अब जल-जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी और नल कनेक्शन के माध्यम से हर घर में पानी पहुँच रहा है। ग्राम कुरदी महिलाएं जैसे रूपा बाई साहू और हीरा बाई, ने बताया कि पहले उन्हें हैंडपंप से पानी लाने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था, लेकिन अब घर में नल लगने से उन्हें पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पानी मिल रहा है, जिससे उनका जीवन बहुत आसान हो गया है।

प्राथमिक शाला कुरदी की प्रधानपाठक खिलेश्वरी साहू ने बताया कि स्कूली बच्चों को जल संरक्षण और इसके बेहतर उपयोग के प्रति जागरूक करने के लिए नियमित रूप से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इससे बच्चों और ग्रामीणों में जल बचाने की समझ विकसित हुई है। आंगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका वैजंती ठाकुर ने बताया कि आंगनबाड़ी में भी अब नल से शुद्ध पेयजल मिल रहा है, जिससे बच्चों के पेयजल, भोजन पकाने और किचन गार्डन के लिए पानी का इस्तेमाल किया जा रहा है। ग्राम कुरदी के सभी ग्रामीणों ने जल-जीवन मिशन के तहत हर घर में नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल मिलने और इसके सफल क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया।

विश्वकर्मा जयंती पर महिला मंडल आयोजित कर रहा विविध कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में इस माह 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा की जयंती के उपलक्ष्य में विश्वकर्मा समाज द्वारा धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है। हर साल की तरह इस साल भी यह आयोजन विश्वकर्मा महिला मंडल द्वारा संपन्न होगा। कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के विभिन्न वर्गों के लोग विशेष रूप से उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

विश्वकर्मा महिला मंडल की सांस्कृतिक कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती चंदा शर्मा ने जानकारी दी कि विश्वकर्मा भगवान की जयंती समाज द्वारा हर साल महामहोत्सव के रूप में मनाई जाती है। इस वर्ष भी रायपुर के बढ़ई पारा स्थित दुलार धर्मशाला में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत 13 सितंबर को की गई, जिसमें युवतियों के लिए रंगोली, मेंहदी, और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। मेंहदी प्रतियोगिता में 10 युवतियों ने भाग लेकर अपनी कलात्मकता का प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में 15 युवतियों ने हिस्सा लिया, जबकि फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में 7 युवतियों ने भाग लिया, जिन्होंने बंगाली, मराठी, गंगुबाई और हाउसवाइफजैसे विभिन्न परिधानों में मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं।

इस आयोजन में प्रमुख रूप से श्रीमती शकुंतला विश्वकर्मा, श्रीमती चंदा विश्वकर्मा, श्रीमती अर्चना विश्वकर्मा, श्रीमती टोनी विश्वकर्मा, श्रीमती मोनिका शर्मा, श्रीमती अनिता विश्वकर्मा, श्रीमती प्रीत कुमारी, धनेश्वरी, श्रीमती पूनम विश्वकर्मा, श्रीमती संजुला विश्वकर्मा, और श्रीमती राजकुमारी विश्वकर्मा उपस्थित रहीं। भगवान विश्वकर्मा की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित यह कार्यक्रम समाज के लोगों के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने का एक सशक्त माध्यम बना हुआ है।

शमशान घाट में गायों की मौत, हिंदू संगठन ने जताई नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी से सटे धरसींवा ब्लॉक के ग्राम पंचायत टांडा में शमशान घाट में रखी गई आधा दर्जन से अधिक गायों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठन के सदस्य मौके पर पहुंचे और वहां कई मृत गायों को पाया। इस घटना को लेकर हिंदू संगठन के सदस्यों ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

घटना का विवरण

गौसेवा संगठन और हिंदू महासभा के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे तो उन्होंने पाया कि बिना पोस्टमार्टम के दो गायों का अंतिम संस्कार पहले ही कर दिया गया था। इसके अलावा चार अन्य गायें पहले से मृत पड़ी थीं और कुछ बीमार व कमजोर नजर आ रही थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि शमशान घाट में इन गायों को बंद कर दिया गया था, लेकिन उनके खाने-पीने और बारिश से बचने की कोई व्यवस्था नहीं की गई थी।

आक्रोशित संगठन

श्रीराम गौसेवा संगठन के मोहन सेन, हिंदू महासभा के प्रीतम साहू और अन्य गौसेवक घटना स्थल पर पहुंचे और प्रशासन की लापरवाही पर गहरी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि गायों को शमशान में बंद कर दिया गया था, लेकिन उनके लिए टीन शेड तक की व्यवस्था नहीं थी, जिससे बारिश में उनकी मौत हो गई होगी।

पुलिस में शिकायत दर्ज

हिंदू संगठनों के सदस्यों ने धरसींवा थाने में शिकायत दर्ज कराई और बताया कि शमशान घाट में लगभग 60-70 गायें रखी गई थीं, जिनमें से 6 की मौत हो चुकी थी। जब संगठन के सदस्य मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने लगभग 20 मृत गायें पाईं। कई अन्य बीमार और घायल थीं। इसके बावजूद बिना पोस्टमार्टम के गायों का अंतिम संस्कार जेसीबी से कर दिया गया था, जिससे मामला दबाने की कोशिश की गई।

प्रशासनिक कार्रवाई व जांच

धरसींवा टीआई राजेंद्र दीवान ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं तहसीलदार जयेंद्र सिंह ने मौके पर पटवारी को भेजकर मामले की जांच के निर्देश दिए। यह भी बताया गया कि पिछले साल भी इसी स्थान पर आधा दर्जन गायों की मौत हो चुकी थी।

डॉ. जेसी ऋषि पांडेय को मिला कमल पत्र 2024 सम्मान

जेसीआई रायपुर मैक यूनाइटेड द्वारा भव्य सम्मान समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जेसीआई रायपुर मैक यूनाइटेड द्वारा आयोजित वार्षिक जेसीआई वीक सम्मान समारोह का आयोजन मैक ऑडिटोरियम में शानदार तरीके से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चेयरमैन पीपीपी जेएफ़आर जेसीआई सेन राजेश अग्रवाल थे। समारोह का आकर्षण बेहतरीन डांस परफॉरमेंस और मैक म्यूजिक के साथ किया गया।

कार्यक्रम का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार, कमल पत्र 2024, इस बार डॉ. ऋषि पांडेय को उनके निस्वार्थ सेवा, नेतृत्व और संगठन को सशक्त बनाने के लिए दिया गया। यह पुरस्कार उनके अथक परिश्रम और समर्पण का प्रतीक है, जिसने न केवल जेसीआई संगठन बल्कि मैक कॉलेज के छात्रों के जीवन को भी गहरे संस्कार और विश्वास के साथ संवारा है।

इसके अलावा अन्य विशेष पुरस्कारों में मैक यूथ आइकॉन अवार्ड से श्रीमती वर्तिका श्रीवास्तव को उनके प्रेरणादायक योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जबकि मैक रत्न अवार्ड कृति अग्रवाल को प्रदान किया गया। समारोह में 'आउटस्टैंडिंग यूथ पर्सनैलिटी अवार्ड' जेसी हर्ष सिंह ठाकुर और जेसी सिजल जैन को दिया गया। बिज़नेस अवार्ड जेसी गर्व और जेसी कुल अग्रवाल को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर रायपुर के प्रमुख स्कूलों के उन प्रतिभाशाली छात्रों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने 11वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। भवन्स आर.के. शारदा स्कूल, कृष्णा पब्लिक स्कूल, माता सुंदरी पब्लिक स्कूल, खालसा हायर सेकेंडरी स्कूल, द रेडियंट वे स्कूल, सेलेम इंग्लिश मीडियम स्कूल, और कैंगर वैली अकैडमी स्कूल के छात्रों को मंच पर पुरस्कार देकर उनके कठिन परिश्रम की सराहना की गई। समारोह में मंच पर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. एमएस मिश्रा, एडमिनिस्ट्रेटर शिवांगी मिश्रा, मैक यूनाइटेड के प्रेसिडेंट जेसी अभिजीत अग्रवाल, सेक्रेटरी जेसी रौनक़ बैंगनी, आईपीपी जेसी कृति अग्रवाल, और चैप्टर इंचार्ज डॉ. ऋषि पांडेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता के लिए विशेष रूप से प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर जेसी खुशी कुम्भारे और प्रोग्राम निदेशक जेसी धवल हारफोर को बधाई दी गई, जिन्होंने इस कार्यक्रम को प्रभावी और सफल बनाया।

नए गाने के लिए फिर साथ आए आलिया भट्ट-दिलजीत

आलिया भट्ट अपनी आगामी फिल्म जिगरा की रिलीज के लिए तैयार है। एक्ट्रेस फिल्म का प्रमोशन जोरशोर से कर रही हैं। हाल ही में राजी एक्ट्रेस ने जिगरा के सेट से एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ संग दिख रही हैं। दोनों की एक साथ की तस्वीर ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है।

आलिया भट्ट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी आने वाली फिल्म जिगरा से जुड़ी जानकारी साझा की। एक्ट्रेस ने पंजाबी सिंगर दिलजीत के साथ फोटो शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, कुर्सियां सब कुछ कह देती हैं।

तस्वीर में आलिया भट्ट और दिलजीत कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं। आलिया की कुर्सी पर द सैड कुडी लिखा है। बगल में बैठे दिलजीत दोसांझ की कुर्सी पर लिखा है, कुड़ी के बारे में गाते है। दोनों स्टार कैमरे की ओर अपना पीठ करके बैठे हुए है। वहीं बैकग्राउंड में रोशनी से जगमगाती जिगरा का टाइटल देखा जा सकता है।

आलिया के पोस्ट करते ही फैंस के रिएक्शन आने शुरू हो गए। एक फैन ने कमेंट कर लिखा है, तो आलिया और दिलजीत की सुपरहिट म्यूजिकल जोड़ी आधिकारिक तौर पर बन रही है। हम बहुत उत्साहित हैं। एक दूसरे फैन ने लिखा है, मैं उनके आने वाले एक और धमाकेदार गाने का इंतजार नहीं कर सकता। एक यूजर ने लिखा है, एक और ब्लॉकबस्टर आ गई है। एक अन्य ने कमेंट किया है, अब यह मेरा नया पसंदीदा गाना बनने जा रहा है। एक यूजर ने लिखा, दिलजीत और जिगरा की सबसे प्रतीक्षित जादुई जोड़ी यहां है। मैं इसके लिए इंतजार नहीं कर सकता। मैं बहुत उत्साहित हूं।

इससे पहले पहले आलिया भट्ट और दिलजीत दोसांझ फिल्म उड़ता पंजाब के गाने इक कुड़ी में पहली बार साथ आए थे। यह गाना काफी हिट हुआ था। फैन्स ने इसे खूब पसंद किया था। अब दोनों जिगरा के नए गाने के लिए एक साथ आने वाले हैं।

आलिया ने करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के साथ जिगरा को को-प्रोड्यूस भी किया है। आलिया भट्ट ने पहली बार 2022 में फिल्म डार्लिंग्स को प्रोड्यूस किया था। फिलहाल आलिया और वेदांग स्टारर 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या आप भी करते है बे वक्त डिनर, तो यहां जानें डिनर करने का सही टाइम

इन दिनों लोगों की लाइफस्टाइल इतनी ज्यादा खराब हो गई है कि ना उनके पास खाने का टाइम है ना ही खुद के लिए टाइम है। लोगों के ना तो खाने का टाइम फिक्स है ना ही उनके सोने का टाइम। वहीं हम सब जानते हैं कि हेल्दी डाइट हमारी सेहत के लिए कितनी ज्यादा जरूरी है। अगर हम अच्छी डाइट ना लें, तो इससे हमारे शरीर को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचता है।

जल्दी डिनर खाने के क्या है फायदा

पाचन तंत्र

अगर आप सात बजे के आसपास डिनर करते हैं, तो इससे आपके शरीर को खाना पचाने के लिए काफी ज्यादा टाइम मिलता है। साथ ही यह आपके पाचन को सही टाइम देता है।

एसिड रिफ्लक्स

अगर आप देर रात को खाना खाते है, तो इससे एसिड रिफ्लक्स की संभावना काफी ज्यादा बढ़ जाती है। लेकिन अगर आप जल्दी खाना खाते है। तो इससे आपको नींद अच्छी आएगी और पेट में जलन भी कम होगी।

बॉडी रिचार्ज

अगर आप टाइम पर खाना खाते हैं, तो आपके शरीर को आराम करने के लिए और बॉडी को रिचार्ज करने के लिए पूरा टाइम मिलेगा। इससे आपकी थकान भी दूर होती है।

कैलोरी कंट्रोल

अगर आप सात बजे डिनर करने के बाद रात को ओवरईटिंग नहीं करते है, तो आपको कम कैलोरी खाने और हेल्दी वजन मेंटेन करने में मदद मिलती है।

मेटाबॉलिज्म पर असर

अगर आप टाइम पर डिनर करते हैं, तो इससे शरीर को मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देता है। जिससे कैलोरी बर्न होती है।

अच्छी नींद

अगर आप रात को देर से खाना खाते है, तो इससे आपकी नींद में दिक्कत आ सकती है। अगर आप शाम को डिनर करते हैं, तो इससे आपको अच्छी नींद आएगी।

ब्लड शुगर कंट्रोल

डिनर टाइम से करने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

हार्ट हेल्थ

टाइम पर डिनर करना दिल के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी मदद कर सकता है।

ध्वनि भानुशाली की फिल्म कहां शुरू कहां खतम का गाना इश्क दे शॉट हुआ रिलीज

ध्वनि भानुशाली फिल्म कहां शुरू कहां खतम से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने के लिए पूरी तातर: तैयार हैं और अब फिल्म के निर्माताओं ने पहला गाना इश्क दे शॉट रिलीज कर दिया है, जिससे फिल्म के प्रति लोगों के उत्साह को और भी बढ़ा दिया है। यह पार्टी एंथम फेस्टिव सीजन के लिए एकदम सही है और शादियों में भी यह निश्चितरूप से पसंद किया जाएगा।

ध्वनि भानुशाली और आईपी सिंह द्वारा स्वरबद्ध किये गए इस गाने के बोल स्वयं आईपी सिंह ने लिखे है और उन्होंने अक्षय के साथ मिलकर इस गाने की रचना की है ,इश्क दे शॉट एक हाई एनर्जी डांस वाइब लाता है और आप निश्चितरूप से खुद को इस गाने पर थिरकने से नहीं रोक सकते। एक शादी की कॉकटेल पार्टी के बैकड्रॉप पर सेट, इस पेपी ट्रैक को पीयूष शाजिया द्वारा कोरियोग्राफ और निर्देशित किया गया है, जो मज़ेदार और जीवंत मूड को दर्शाता है। ध्वनि भानुशाली और आशिम गुलाटी ने अपने एनर्जेटिक परफॉरमेंस के साथ सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार है। चाहे शादी हो, पार्टी हो या कोई त्यौहार, इश्क दे शॉट आप सभी को निश्चितरूप से आकर्षित करेगा और आपके पलायलिस्ट में अपमी जगह बनाएगा।

प्यार के इस मौसम का जश्न मनाइए क्योंकि यह गाना अब सभी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और खास तौर पर सारेगामा म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है। लक्ष्मण उतेकर की कहां शुरू कहां खतम में ध्वनि भानुशाली और आशिम गुलाटी अहम भूमिका में नज़र आयेंगे, सौरभ दासगुप्ता द्वारा निर्देशित यह फिल्म 20 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और कठपुतली क्रिएशन्स प्रोडक्शन की इस यंग म्यूजिकल फैमिली एंटरटेनर फिल्म को विनोद भानुशाली, लक्ष्मण उतेकर, करिश्मा शर्मा और कमलेश भानुशाली द्वारा प्रोड्यूस किया गया है।

परेश रावल की नई फिल्म जो तेरा है वो मेरा है का ऐलान

परेश रावल को आखिरी बार अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।अब परेश की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम जो तेरा है वो मेरा है है। फिल्म के निर्देशन की कमान राज त्रिवेदी ने संभाली है।फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें परेश समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

फिल्म जो तेरा है वो मेरा है 20 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी।फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर आएगी। इसे जियो सिनेमा प्रीमियम के माध्यम से देखा जा सकता है, जिसकी कीमत 29 रुपये प्रति महीना है।इस फिल्म में अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी, सोनाली सेगल, फैसल मलिक और आदित्य रावल जैसे सितारे भी नजर आने वाले हैं।अजय जी राय इस फिल्म के निर्माता हैं।

इस बीच, काम के मोर्चे पर, परेश रावल को आखिरी बार अक्षय कुमार और राधिका मदान के साथ सरफिरा में देखा गया था। वरिष्ठ अभिनेता ने एयरलाइन कंपनी के मालिक परेश गोस्वामी की भूमिका निभाई। अच्छी प्रतिक्रिया के बावजूद, सरफिरा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।

दिग्गज अभिनेता की आने वाली फिल्मों में बदतमीज गिल और वेलकम टू द जंगल शामिल हैं। नवजोत गुलाटी की बदतमीज गिल में वह वाणी कपूर और अपारशक्ति खुराना के साथ नजर आएंगे। दूसरी ओर, अहमद खान की वेलकम टू द जंगल में वह कई स्टार कलाकारों के साथ नजर आएंगे।

अशनूर कौर ने टुकटुक पर एक दिलचस्प कहानी साझा की

सुमन इंदौरी में मुख्य किरदार निभा रहीं अभिनेत्री अशनूर कौर ने इंदौर के जीवंत और चहल-पहल वाले सराफा बाजार में शो की शूटिंग के दौरान टुकटुक पर एक दिलचस्प बचाव कहानी शेयर की है।

इंस्टाग्राम पर 9.9 मिलियन फॉलोअर्स वाली अशनूर ने इंदौर, मध्य प्रदेश में शो की शूटिंग के दौरान की कुछ बिहाइंड-द-सीन (बीटीएस) झलकियां शेयर की हैं। एक वीडियो में अशनूर को गुलाबी रंग का कुर्ता और नीली डेनिम पहने हुए दिखाया गया है, जबकि वह सराफा बाजार में एक सीक्वेंस की शूटिंग कर रही हैं। मध्य इंदौर में स्थित यह बाजार रात के स्ट्रीट फूड कोर्ट के लिए प्रसिद्ध है। यह अपने व्यंजनों और रात की जीवनशैली के कारण एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।

क्लिप में अशनूर को भारी भीड़ के बीच अपनी टीम के साथ आगे बढ़ते हुए और फिर खुशी-खुशी टुकटुक रिक्शा में यात्रा करते हुए दिखाया गया है। वह कहती हैं, हमने सराफा शूट पूरा कर लिया है। वहां इतनी भीड़ हो गई थी कि हमें टुकटुक में सवार होकर जाना पड़ा। इसके बाद अशनूर कैमरा घुमाती हैं और रिक्शा पर बैठी अपनी टीम की झलक दिखाती हैं।

युवा दिवा ने दुपट्टा वाला पल भी शेयर किया, छप्पन दुकान पर स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाते हुए एक वीडियो भी शेयर किया और इंदौर के डेली कॉलेज में प्रकृति और जानवरों से भी बातचीत की। तस्वीरों की यह श्रृंखला पूरी टीम के साथ एक खुशनुमा ग्रुप फोटो के साथ खत्म हुई। इस शो में ज़ैन इमाम मुख्य भूमिका में हैं। सुमन इंदौरी कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।

इस बीच, अशनूर ने पाँच साल की उम्र में अपना करियर शुरू किया, 2009 के शो झांसी की रानी में प्राची का किरदार निभाया। झांसी की रानी लक्ष्मी बाई के जीवन पर आधारित इस शो में उल्का गुप्ता ने मुख्य भूमिका निभाई थी। सके बाद उन्होंने शो शोभा सोमनाथ की में युवा राजकुमारी शोभा की भूमिका निभाई। अशनूर टीवी शो- ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, द एडवेंचर्स ऑफ़ हातिम, तुम साथ हो जब अपने, सियासत, ये रिश्ता क्या कहलाता है, पृथ्वी वल्लभ और पटियाला बेब्स में नज़र आ चुकी हैं। वह अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित 2018 की रोमांटिक ड्रामा मनमर्जियाँ का भी हिस्सा थीं। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, तापसी पन्नू और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में थे।

20 वर्षीय अभिनेत्री की अगली वेब सीरीज स्कूल फ्रेंड्स 3 पाइपलाइन में है। वह परी हूं मैं और बटरफ्लाईज जैसे वेब शो का हिस्सा रही हैं।

स्पर्म की क्वालिटी के लिए स्ट्रेस बुरा नहीं, रिसर्च में हुआ अजीबोगरीब खुलासा

तनाव शुक्राणुओं के लिए अच्छा होता है। यह बात जानकर एक पल के लिए किसी को भी हैरानी हो सकती है कि तनाव भी किसी चीज के लिए अच्छा हो सकता है? दरअसल, एक नए रिसर्च के मुताबिक स्ट्रेस के कारण शुक्राणु में गतिशीलता आती है। अंडे को निषेचित करने के लिए महिला प्रजनन प्रणाली के माध्यम से आगे बढ़ने की क्षमता को प्रभावित करता है। तनाव का हमारे प्रजनन स्वास्थ्य पर बहुत प्रभाव डालता है। लंबे समय तक तनाव में रहने से रिप्रोडक्टिव हेल्थ पर भी असर डालता है।

तनाव से शुक्राणु की क्वालिटी बेहतर होती है

हालांकि, एक नए रिसर्च से पता चलता है कि तनावपूर्ण घटना के बाद शुक्राणुओं की गति बेहतर होती है न कि घटना के दौरान। नया अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि तनाव प्रजनन को कैसे प्रभावित करता है और भ्रूण के विकास के परिणामों को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। पिछले 50 सालों में शुक्राणु की गुणवत्ता और प्रजनन क्षमता में गिरावट आई है। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण हमारे आसपास का वातावरण और प्रदूषण है। लेकिन शोधकर्ता अभी भी पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि ये बदलाव शुक्राणुओं को कैसे प्रभावित करते हैं।

अध्ययन से पता चलता है कि तनाव शुक्राणु की गतिशीलता या अंडे को निषेचित करने के लिए महिला प्रजनन प्रणाली के माध्यम से आगे बढ़ने की इसकी क्षमता को प्रभावित करता है। शुक्राणु विकास में सहायता करने वाले एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स (ईवी) नामक छोटे कणों में परिवर्तन तनाव के बीत जाने के बाद देखा गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ये परिवर्तन तनाव के बीत जाने के बाद हुए, तनाव के अनुभव के दौरान नहीं।

स्ट्रेस का शुक्राणु का होता है ऐसा असर

हमारे शोध से पता चलता है कि तनाव के बाद शुक्राणु की गतिशीलता में काफी सुधार होता है। जो कोविड महामारी के दौरान तनावपूर्ण अवधि के बाद जन्म दर को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

यह प्रभाव मानव और पशु दोनों अध्ययनों में देखा गया था, जो प्रजातियों में व्यापक संबंध का सुझाव देता है। अध्ययन के पहले लेखक डॉ निकोल मून ने इस प्रक्रिया की तुलना थोड़े अतिरिक्त ईंधन के साथ अधिक कुशलता से चलने वाली कार से की।

तनाव से प्रेरित समायोजन शुक्राणुओं को ऊर्जा उत्पादन और गति में सुधार करने में मदद करते हैं। कल्पना करें कि आपके पास एक कार है जो खड़ी पहाड़ी पर चढ़ने के लिए संघर्ष कर रही है। जब इंजन पर दबाव पड़ता है, तो कार कम कुशल हो जाती है। हालांकि, थोड़ा और गैस के साथ, आप एक चिकनी ड्राइव के लिए समग्र प्रदर्शन को बढ़ा सकते हैं। जिस तरह आपकी कार तनाव में अधिक कुशल हो जाती है, ठीक उसी तरह सही समायोजन के साथ, तनाव-प्रेरित कारक मौजूद होने पर कोशिकाएं अपने ऊर्जा उत्पादन और गति में सुधार करती हैं।

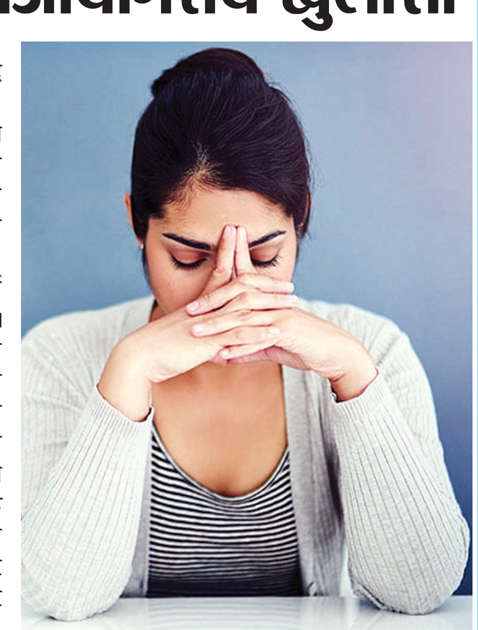

चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज एक प्रगतिशील और समृद्ध समाज है-मुख्यमंत्री

समाज के शैक्षणिक विकास के लिए 5 एकड़ भूमि आबंटित करने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज समृद्ध और प्रगतिशील समाज है, जिसका अपना एक समृद्ध इतिहास और संस्कृति है। कुर्मी समाज के लोगों ने हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे आज कवर्धा में चन्द्रनाहू कुर्मी क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित केंद्रीय महाधिवेशन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर समाज की मांग पर शैक्षणिक विकास के लिए 5 एकड़ भूमि आबंटित करने की घोषणा की। कार्यक्रम में समाज की ओर से विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का गजमाला एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि 13 सितम्बर को हमारे छत्तीसगढ़ सरकार के नौ माह पूरे हुए हैं। इन नौ माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दी गई गारंटियों में से अधिकतर गारंटियों को हमने पूरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की गारंटी को पूरा करते हुए हमनें 32 हजार करोड़ रुपए के समर्थन मूल्य की राशि का तत्काल भुगतान किसानों को किया और उसके बाद 12 जनवरी को 24 लाख 75 हजार किसानों को कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत अंतर की राशि 13 हजार 320 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की।

उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक महिलाओं को प्रति माह एक-एक हजार रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 5500 रुपए किया गया। जरूरतमंद हितग्राहियों के लिए प्रधानमंत्री आवास की घोषणा को पूरा किया गया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि छत्रपति शिवाजी और सरदार वल्लभभाई पटेल के वंश होने का गौरव इस समाज को प्राप्त है। छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नदृष्टा डॉ. खूबचंद बघेल इसी समाज से रहे। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता की लड़ाई में इस समाज से अनेक क्रान्तिकारी शामिल हुए है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन से छत्तीसगढ़ का विकास हो रहा है। उन्होंने बताया कि देश में केवल छत्तीसगढ़ के किसानों को 31 सौ रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान का समर्थन मूल्य मिल रहा है।

पूर्व राज्यपाल एवं केन्द्रीय मंत्री रमेश बैस ने कहा कि समाज तभी संगठित होगा जब उसमें सभी की सहभागिता होगी। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं की भागीदारी जरूरी है। श्री बैस ने कहा कि हमें योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना चाहिए, समाज के कमजोर और गरीबों को आगे बढ़ाना हमारा उद्देश्य होना चाहिए ताकि समाज एक साथ संगठित होकर आगे बढ़े।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अधिवेशन में अपने संबोधन के दौरान कहा कि समाज महापुरुषों के आदर्शों का पालन करते हुए आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कवर्धा में युवाओं के प्रेरणास्रोत छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की स्थापना करेंगे ताकि कवर्धा और छत्तीसगढ़ के युवाओं को लगातार प्रेरणा मिलती रहे। उन्होंने समाज के मांग पर छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की स्थापना के लिए 25 लाख रूपए की घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने कहा कि देश के इतिहास में समाज का बड़ा योगदान रहा है। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश को एकता के सूत्र में बांधा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका मान रखते हुए देश का सबसे ऊँचा स्टेचू ऑफ़ यूनिटी की स्थापना की। हर क्षेत्र में समाज आगे बढ़ रहा है। सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने कहा कि कुर्मी क्षत्रिय समाज की प्रत्येक क्षेत्र में उपलब्धि रही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रदेश के मुखिया हैं, उनके कार्यकाल में समाज का विकास हो रहा है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जीवन बदल रहा है। विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि जिस समाज में शिवाजी महाराज, सरदार वल्लभ भाई पटेल का नाम आए वह किसी पहचान की मोहताज नहीं है। आज कुर्मी समाज के योगदान से छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर, लालबहादुर चंद्रवंशी, पूर्व मंत्री पूनम चंद्राकर, पूर्व संसदीय सचिव मोतिराम चंद्रवंशी, समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सामाजिक बन्धु जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

विघ्नहर्ता के दर्शन-पूजन के लिए गोल बाजार पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के दर्शन और पूजन के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज रात्रि 8 बजे राजधानी रायपुर के गोल बाजार पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां हनुमान मंदिर के समीप श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति के पंडाल में विराजित भगवान गणेश के दर्शन कर नवरत्न जड़ित 750 ग्राम का स्वर्ण मुकुट पहनाकर तिलक लगाया और विधिवत पूजा-अर्चना व आरती की। मुख्यमंत्री ने भगवान विघ्न विनायक से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

गौरतलब है कि राजधानी रायपुर के गोल बाजार स्थित हनुमान मंदिर के पास बीते 115 वर्षों से श्री बजरंग नवयुवक मित्र मंडल गणेशोत्सव समिति द्वारा गणेश चतुर्थी पर गणपति प्रतिमा की स्थापना की जाती है। यहां विराजित की जाने वाली गणेश प्रतिमा अपनी भव्यता के कारण न सिर्फ गोल बाजार बल्कि पूरे रायपुर में आकर्षण का केन्द्र होती है। गोल बाजार पहुंचने पर मुख्यमंत्री का गणेशोत्सव समिति के पदाधिकारियों और स्थानीय व्यापारियों द्वारा ढोल-नंगाड़ों और फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। यहां समिति ने मुख्यमंत्री को गजमाला पहनाकर उनका अभिवादन किया।

गणपति दर्शन और पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री साय पास ही स्थित 150 वर्ष से अधिक पुराने हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजन के लिए पहुंचे। इस दौरान उनके साथ नितिन नबीन, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, पूर्व विधायक श्रीचंद सुन्दरानी, केदार गुप्ता विशेष रूप से मौजूद रहे।

गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को मिल रहा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन की संकल्पना को साकार करते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक एवं जिले आर्थिक रूप से कमजोर तबके के मरीजों को मिल रहा है। विकासखंड पलारी के अंतर्गत ग्राम अमेरा की 22 वर्षीय कॉलेज छात्रा ऋचा कुर्रे को तीन साल पहले पीलिया हुआ। कमज़ोरी, बुखार, मल के साथ खून का आना, शरीर में पीलापन यह दिक्कतें बनी हुई थीं। बाद में विभिन्न जांचों के बाद रायपुर के एक बड़े निजी अस्पताल में यह पता चला कि उन्हें लिवर में समस्या है। डॉक्टर ने लिवर के ऑपरेशन की सलाह दी। उस समय एक ऑपरेशन हुआ।

ऋचा के परिवार ने बताया की उक्त ऑपरेशन के बाद भी राहत नहीं मिली जिससे बाद में लिवर ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई। ऐसे में धन की कमी को देखते हुए

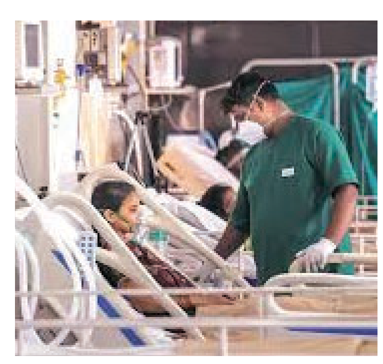

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना अंतर्गत आवेदन दिया गया जिससे 18 लाख की सहायता राशि प्राप्त हुई । ऑपरेशन के बाद अभी ऋचा स्वस्थ हैं।

ऐसे ही एक अन्य प्रकरण में पलारी के ही ग्राम हरिनभट्टा निवासी रमेश कुमार कन्नौजे की की पत्नी को समय से पूर्व प्रसव में जुड़वां बच्चे हुए, जिन्हें रायपुर के बच्चों वाले एक निजी अस्पताल में विशेष देखभाल हेतु 105 दिन तक भर्ती किया गया। इसके लिए योजना के तहत 10 लाख के करीब सहायता राशि प्रदान की गई।

विकासखंड सिमगा के ग्राम केशली के 50 वर्षीय संजय कुमार वर्मा को एक वर्ष पूर्व हृदयघात हुआ जिसका इलाज रायपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में किया गया। इलाज के दौरान डॉक्टर ने उन्हें पेसमेकर लगवाने की सलाह दी। इसके लिए परिवार ने मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में आवेदन किया जिससे उन्हें 6.5 लाख की सहायता दी गई।

उक्त सभी मरीजों के परिजनों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया है और ऐसी योजनाओं को जनता के हित के किये जरूरी बताया है।

राज्य के नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, दुर्लभ बीमारियों में होने वाले इलाज के व्यय से बचाने तथा उसमें सहयोग करने के लिए संजीवनी सहायता कोष का विस्तार करते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना चलाई जा रही है जिसमें अधिकतम 25 लाख रुपए की सहायता राशि इलाज हेतु संबंधित अस्पताल को मरीज के पूरे दस्तावेजों के निरीक्षण के पश्चात दिया जाता है । जिले में अब तक 191 मरीज लाभान्वित हुए हैं जिन्हें कुल 7 करोड़ 32 लाख 60 हज़ार 1 सौ 33 से अधिक की सहायता राशि दी जा चुकी है।

प्राथमिकता एवं अंत्योदय राशन कार्डधारी परिवार (छत्तीसगढ़ सरकार की अद्यतन सूची अनुसार) इस योजना हेतु पात्र हैं। योजना का लाभ राज्य एवं राज्य के बाहर के पंजीकृत चिकित्सालय में उपचार कराने पर ही प्रदान किया जाता है।

जिसमें राज्य एवं राज्य के बाहर के सभी सरकारी चिकित्सालय, पंजीकृत निजी चिकित्सालय तथा सी.जी.एच.एस.के अतंर्गत पंजीकृत चिकित्सालय सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से लिवर, किडनी, फेफड़े, हृदय के प्रत्यारोपण के अलावा कैंसर, हृदय रोग, एप्लास्टिक अनीमिया, कॉक्लियर इम्प्लांट, हीमोफीलिया में इस योजना का लाभ मिलता है।

पद्मश्री डॉ.भारती बंधु की सूफियाना प्रस्तुति ने दर्शकों को किया झूमने पर मजबूर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ में आयोजित 10 दिवसीय 39 वें चक्रधर समारोह के सातवीं संगीत संध्या में दिल्ली, कटक, कोच्चि एवं रायपुर से आए कलाकारों के द्वारा भरतनाट्यम, असमिया सत्रीया नृत्य, सूफी एवं कबीर गायन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिल्ली से आयी श्रीमती भद्रा सिन्हा एवं गायत्री शर्मा ने भरत नाट्यम नृत्य पर शानदार प्रस्तुति दी। पद्मश्री डॉ.भारती बंधु की सूफियाना प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया, जिससे देर रात तक दर्शक गीतों का आनंद लेते रहे। लकी मोहंती ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर में की जाने वाली आरती को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसी तरह हुतेन्द्र ईश्वर शर्मा ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक संस्कृति को गीत एवं सामूहिक नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसी तरह डॉ.राखी राय सहित उनकी टीम ने भरतनाट्यम पर जबरदस्त प्रस्तुति दी।

सांस्कृतिक संध्या की पहली प्रस्तुति में रायगढ़ जिले के स्थानीय प्रसिद्ध कलाकारों की टीम-हुतेन्द्र ईश्वर शर्मा ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक संस्कृति को गीत एवं सामूहिक नृत्य के माध्यम प्रस्तुत किया। टीम के कलाकारों ने खेती-किसानी पर आधारित, सुआ नृत्य सहित ददरिया गीतों से दर्शकों का मनोरंजन किया। सांस्कृतिक संध्या की द्वितीय प्रस्तुति रायगढ़ जिले की स्थानीय भरतनाट्यम कलाकार डॉ.राखी राय सहित उनकी टीम नैनिका कासलीवाल, श्रीजानी बनर्जी ने मंच पर भाव-भंगिमाओं मुद्राओं के साथ आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी। रायगढ़ जिले की इन कलाकारों ने भरतनाट्यम से अपनी प्रतिभा साबित की है। दूरदर्शन में अपनी प्रस्तुति से पहचान बनाने के साथ ही देश-विदेश में भी इन कलाकारों ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति देकर ख्याति अर्जित की है। रामलीला मैदान में आयोजित चक्रधर समारोह में आज भरतनाट्यम की सुंदर प्रस्तुति ने दर्शकों को आनंदित किया।

रायगढ़ में आयोजित प्रतिष्ठित चक्रधर समारोह 2024 में अनेक जाने-माने विश्वविख्यात कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जा रही है साथ ही इस मंच के माध्यम से क्षेत्रीय और नन्हे कलाकारों को भी अपनी कला को प्रदर्शित करने, उन्हे उत्साहित करने और आगे बढ़ाने के लिए मंच प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में सारंगढ़ की तेरह वर्षीय कत्थक साधिका सुश्री शार्वी केशरवानी ने आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा रचित शिव पंचाक्षर स्त्रोत पर आधारित मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। उनके इस मनमोहक प्रस्तुति से पूरा चक्रधर समारोह कार्यक्रम स्थल ओम नमः शिवाय के मंत्र से गूंज उठा। इस नृत्य में उनके द्वारा ओम नमः शिवाय के साथ पंचतत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का प्रतिनिधित्व करता मन को छू जाने वाला नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही उन्होंने स्व.पंडित बिरजू महाराज द्वारा रचित अर्धांग की प्रस्तुति के साथ कुछ तोड़े-टुकड़े, कवित्त, परन के बाद कुछ लयकारियों के साथ बहुत ही आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी। सारंगढ़ की तेरह वर्षीय कत्थक साधिका सुश्री शार्वी केशरवानी मोना मॉडर्न इंग्लिश मीडियम स्कूल सारंगढ़ में कक्षा आठवीं की छात्रा है। उन्होंने नृत्य की प्रारंभिक शिक्षा अपनी माता श्रीमती तोषी गुप्ता से प्रारंभ की और वर्तमान में श्रीराम संगीत महाविद्यालय, रायपुर में गुरु डॉ.राजश्री नामदेव के सानिध्य में नृत्य की बारीकियाँ सीख रही है।

कत्थक साधिका सुश्री शार्वी केशरवानी ने इतनी कम उम्र में ही कई राज्यीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मनमोहक प्रस्तुतियां देते हुए अनेक उपाधियाँ और उप्लब्धियाँ 2019 से अब तक लगातार अर्जित करते आ रही है।

जिले में शुरु हुआ एग्रीस्टैक सॉफ्टवेयर से डिजिटल क्रॉप सर्वे

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के मार्गदर्शन में जिले में पहली बार एग्रीस्टैक साफ्टवेयर से डिजिटल क्राप सर्वे शुरू हुआ। गौरतलब है कि शासन यह महत्वाकांक्षी योजना है, जिसमें आने वाले समय में आफ्लाइन गिरदावरी कार्यो में पूर्ण पारदर्शिता लाने आनलाईन गिरदावरी की जावेगी।

प्रदेश में जिले का चयन पायलेट प्रोजेक्ट के रुप मे किया गया है। शासन के निर्देश अनुसार जिले के 645 ग्रामों मे से जिओ रिफ्रेंसिंग पूर्ण 383 ग्रामों में डिजिटल फसल सर्वेक्षण किया जाना है। इसके मद्देनजर बीते दिन जिले के कोड़ेबोड, छुही सहित विभिन्न गांवों में सर्वे किया गया।

स्थानीय 1594 ग्रामीण युवक/ युवतियों (सर्वेयरों) का तहसीलदार द्वारा चयन कर तहसीलवार प्रशिक्षण दिया गया था। इस योजना में विज्ञान संकाय में दसवीं, बारहवीं, स्नातक (विज्ञान/कृषि) में उत्तीर्ण 18 वर्ष से अधिक आयु के स्थानीय ऐसे युवक/युवती, जिनको एंड्रॉयड मोबाइल चलाना आता हो, का सर्वेक्षक के रुप में चयन किया गया।पटवारियों को सुपरवाइजर और राजस्व निरीक्षकों को सत्यापन कर्ता, तहसीलदार को जाँचकर्ता के रुप मे नियुक्त किया गया।

सर्वेक्षकों को सर्वे के एवज में 10 रूपये प्रति खसरे मानदेय दिया जायेगा। इस हेतु ऐसे शिक्षित खाताधारक जिनको एंड्रॉयड मोबाइल चलाने आता है, वे भी अपने द्वारा धारित भूमि में लगी फसलों का डिजिटल क्राप सर्वे कर सकते हैं।

इनके द्वारा संपांदित कार्यो के लिए मानदेय निर्धारित नही की गई है। तहसीलदार व एसडीएम को राज्य स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया। जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर दीपचंद भारती ,(राजस्व निरीक्षक भू अभिलेख) द्वारा सर्व राजस्व अधिकारियों, भू अभिलेख अधिकारियों, राजस्व निरीक्षकों, पटवारियों, डाटा एंट्री आपरेटर, सर्वेक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।

एग्रीस्टैक योजना अंतर्गत डिजिटल क्राप सर्वे में सर्वेक्षको के कार्यों का पर्यवेक्षण संबंधित ग्रामों के पटवारियों द्वारा किया जावेगा। भविष्य में ऐसे कार्यो के संपादन के लिए चयनित सर्वेक्षकों का सहयोग लिया जा सकेगा।

पोषण सभी के लिए जरूरी विषय पर वेबीनार का आयोजन

महासमुंद। राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन 1 से 30 सितंबर तक जन सामान्य में पोषण के प्रति जागरूकता के साथ साथ रोज के खाने में किस खाद्य पदार्थ की कितनी मात्रा का सेवन किया जाए जिससे शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर हो इन विषयों को लेकर अजय कुमार साहू जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी जिला महासमुंद द्वारा आज वेबिनार का आयोजन किया गया। पोषण माह के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि खान पान की खराब आदत , खराब दिनचर्या से भी शरीर स्वास्थ्य पर असर पड़ता है । इसे हम पोषक तत्वों की सही मात्रा और निरंतर लेने से शारीरिक और मानसिक दोनो तरीके से स्वस्थ्य रह सकते है। वेबिनार में विशेष रूप से आमंत्रित अतिथि सुधाकर बोदले, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि हमारा शरीर हड्डी, खून व मांसपेशियों से मिलकर बना होता है हड्डी की मजबूती कैल्शियम से, खून की कमी आयरन युक्त सामग्री से व मांसपेशी को प्रोटीन एवं वसा की निर्धारित मात्रा से पूरा कर सकते हैं। महिला को स्वस्थ रहने के लिए 20 मिलीग्राम आयरन प्रतिदिन चाहिए। यदि लंबे समय तक शरीर में पोषण की कमी बनी रहती है तो वही धीरे-धीरे कुपोषण के रूप में दिखाई देता है। बैलेंस डाइट पर कार्य करने की जरूरत है महिला जैसे विवाहित होती है उसकी लगातार काउंसलिंग करने से उसके शरीर में खून की मात्रा का पता कर शरीर में खून की कमी ना हो इसके लिए लगातार परामर्श देना प्रारंभ करना अति उत्तम समय होता है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

सुकमा में सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता, मुठभेड़ में मारा गया पांच लाख का इनामी नक्सली

चिंतागुफा थाना क्षेत्र के ग्राम तुमालपाड के जंगल में पहुंची थी पुलिस व सुरक्षाबलों की टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान में पुलिस व सुरक्षाबलों को लगातार सफलता मिल रही है। इसी कड़ी में शनिवार को सुकमा में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां के चिंतागुफाथाना क्षेत्र के ग्राम तुमालपाड के जंगल में पुलिस और नक्सलियों की मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस ने एक पांच लाख के इनामी नक्सली को ढेर कर दिया। जवानों ने बड़ी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद की है।

एएसपी आकाश राव ने बताया कि जिला सुकमा में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिला सुकमा थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत छोटेकेड़वाल, बड़ेकेड़वाल, सिंघनमड़गू, तुमालपाड़ व आस-पास क्षेत्र में कोंटा एरिया कमेटी एवं पीएलजीएल बटालियन के नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत कैंप करीगुड़म से एएसआई नंदा मरकाम, प्रधान आरक्षक रमेश कुंजाम, उमेश कुंजाम, विनय दुधी के हमराह जिला बल, डीआरजी एवं बस्तर फाईटर की संयुक्त पार्टी सूचना स्थल नक्सली गस्त सर्चिंग हेतु रवाना हुए थे।

अभियान के दौरान तुमालपाड़ के जंगल-पहाड़ को सर्च करते हुए आगे बढ़ रहे थे कि पूर्व से घात लगाकर बैठे नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को जान से मारने व हथियार लूटने के नीयत से अंधाधुंध फायरिंग करने लगे सुरक्षाबलों द्वारा भी यथा-स्थान पोजिशन लेकर आत्मरक्षार्थ में जवाबी कार्रवाई मे फायरिंग की गई। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई से सुरक्षाबलों के बढ़ते दबाव व नक्सली अपने आपको घिरता हुआ देखकर जंगल-पहाड़ी का आड़ लेकर भाग खड़े हुए। सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों ने एक नक्सली का शव बरामद किया है। वहीं मौके से भारी मात्रा में नक्सल सामग्री भी मिली है। मारे गए नक्सली पर पांच लाख रुपए का इनाम रखा गया था।

सुकमा में एक लाख के इनामी नक्सली सहित आठ नक्सली गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

सुकमा। सुकमा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बार फिर से सुकमा पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। जगरगुण्डा थाना क्षेत्र में आठ नक्सलियों को विस्फोटक सामाग्री के साथ गिरफ्तार करने में मिली सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। एक नक्सली पर पद के अनुरूप एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। गिरफ्तार नक्सली, सुरक्षा बलों के आने-जाने वाले मार्ग में प्लांट करने के मंशा से विस्फोटक सामाग्री रखे थे।

सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि पुलिस और सीआरपीएफ बल की संयुक्त पार्टी गस्त सर्चिंग के लिए ग्राम बैनपल्ली व आसपास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान ग्राम बैनपल्ली के जंगली रास्ते में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा पुलिस पार्टी को देखकर लुक छिप रहे थे जिनमें से पुलिस पार्टी द्वारा आठ संदिग्ध व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। उनके कब्जे से सामाग्री बरामद की गई है। पूछताछ करने पर मिलिशिया होना तथा प्रतिबंधित माओवादी संगठन में कार्य करना तथा बड़े नक्सलियों के कहने पर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की मंशा से रखना बताया।

ये नक्सली गिरफ्तार

- मुचाकी लखमा पुत्र कोसा 40 वर्ष निवासी बैनपल्ली पिनपारा थाना जगरगुण्डा।
- कुंजाम देवा पिता हड़मा उम्र 35 वर्ष निवासी बैनपल्ली पुजारीपारा थाना जगरगुण्डा।
- उईका हुर्रा पिता मल्ला उम्र 42 वर्ष निवासी बैनपल्ली पुजारीपारा थाना जगरगुण्डा।
- कलमु विज्जा पिता पोदिया उम्र 40 वर्ष निवासी बैनपल्ली थाना जगरगुण्डा।
- मुचाकी पाला पिता जग्गु उम्र 33 वर्ष निवासी बैनपल्ली थाना जगरगुण्डा।
- मड़कम सन्नु पिता सिनाल उम्र 40 वर्ष निवासी बैनपल्ली थाना जगरगुण्डा।
- मुचाकी सुदरू पिता सुकलू उम्र 25 वर्ष निवासी बैनपल्ली पिनपारा थाना जगरगुण्डा।
- कलमू चैतु पिता मंगडू उम्र 28 वर्ष निवासी बैनपल्ली टेकापारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा।

खास खबर

डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार बाइक, एक की मौत और दो की हालत गंभीर

भिलाई। बीती रात गणेश दर्शन के लिए जा रहे तीन दोस्त हादसे का शिकार हो गए। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। अचानक उनकी बाइक का संतुलन बिगड़ा और डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में एक दोस्त की मौत हो गई। वहीं 2 लोग बुरी तरह घायल हो गए। हादसा भिलाई तीन चरोदा के पास का है।

दुर्ग पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक तीनों युवक रायपुर के उरला सिलतरा क्षेत्र के रहने वाले हैं। वो लोग शनिवार रात सिलतरा से एक ही बाइक में भिलाई के लिए निकले थे। वो लोग जैसे ही भिलाई तीन चरोदा के पास पहुंचे थे। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए। हादसा इतना भयंकर था कि देवा साहू पिता शत्रुघन साहू (21 साल) निवासी वीरगांव उरला रायपुर की मौके पर मौत हो गई। वहीं बाइक पर पीछे बैठे उसके दोस्त उरला निवासी दीपक पटेल पिता बालेश्वर पटेल (22 साल) और उमेश कुमार साहू पिता रही साहू (21 साल) बुरी तरह घायल हो गए।

सूचना मिलते ही हाइवे पेट्रोलिंग और पुरानी भिलाई पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों को गाड़ी से लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला पहुंचाया। वहां देवा साहू को मृत घोषित कर दिया गया। उसके दोस्तों को प्राथमिक उपचार के बाद दुर्ग जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक दुर्घटना का कारण ट्रैफिक नियमों का पालन ना करना है। पहले तो तीन लड़के एक ही बाइक में बैठकर भिलाई जा रहे थे। गणेश पूजा उत्सव के दौरान अधिक भीड़-भाड़ होने के बाद भी बाइक चला रहा देवा साहू चलती बाइक में फोन से बात कर रहा था। यही हादसे का कारण बना।

शख्स ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, 300 फीट की ऊंचाई पर लटकता मिला शव

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है जहां पर दल्ली राजहरा थाना क्षेत्र के माइंस प्लांट एरिया में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जमीन से 300 फीट ऊपर माइंस प्लांट में झूल कर युवक ने आत्महत्या कर ली है पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उक्त युवक माइंस ठेकेदार के अंदर में काम करता था फिलहाल जांच की जा रही है वहीं उसके परिवार में उसकी मां जांजगीर चंपा गई हुई थी जिसे सूचना देकर अब बुलाया गया है पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बता दें कि माइंस ठेका कर्मचारी लखेश्वर पटेल ने माइंस में ही अपनी जान दे दी लगभग 300 फीट की ऊंचाई पर लोहे की एंगल में फांसी का फंदा बनाकर मौत को गले लगा लिया पुलिस ने बताया कि मृतक वार्ड नंबर 5 दल्लीराजहरा का रहने वाला है और दल्ली माइंस के 3 नम्बर माइंस क्षेत्र में फांसी लगाकर आत्महत्या किया गया है मौत का कारण अज्ञात है और पुलिस मौके पर पहुंच चुकी है आपको बता दें कि जिस जगह पर वह काम करता था उसी जगह पर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है इस घटना के बाद पूरे माइंस के ठेका श्रमिकों में हड़कंप मचा हुआ है। थाना प्रभारी सुनील तिर्की ने बताया कि जैसे ही हमें सूचना मिली हम मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया गया है शव का पंचनामा कार्रवाई करने के बाद उसे पोस्टमार्टम करने के लिए भेज दिया गया है।

बीओआई के एटीएम से निकलने लगे ज्यादा नोट लोगों की लग गई लाइन, मैनेजर ने पहुंचकर किया बंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला लक्ष्मी मार्केट के सामने स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में ज्यादा नोट निकलने लगे। शुक्रवार रात को एक व्यक्ति रुपए निकालने पहुंचा और उसने 500 रुपए निकालने चाहे तो एक ही जगह 4 नोट निकले। यानी 500 की जगह दो हजार उसके हाथ लगे। फिर क्या था जैसे ही यह बात लोगों को पता चली तो एटीएम से रुपए निकालने लाइन लग गई। जैसे ही इसकी सूचना बैंक मैनेजर को हुई तो उन्होंने सुपेला पुलिस की मदद से एटीएम को रात में ही बंद करवाया। एटीएम किस प्रकार की तकनीकी खामी आई है इसकी जांच की जा रही है।

मिली जानाकारी के अनुसार यह घटना शुक्रवार रात लगभग 8 बजे की है। एक व्यक्ति लक्ष्मी मार्केट के आपोजिट साइड स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम में पैसे निकालने गया था। उसने 500 रुपए निकालने के लिए एंट्री की तो एटीएम ने 500-500 के चार नोट यानि 2000 हजार रुपए निकल गए। उसने रुपए उठाए और यह बात कुछ लोगों को बताई। इसके बाद लोग अपना एटीएम लेकर पहुंच गए और यहां लंबी कतार लग गई। इस दौरान बैंक मैनेजर को किसी ने कॉल कर जानकारी दी।

सूचना मिलने के बाद जब बैंक मैनेजर एटीएम बंद करने पहुंचा तो लोगों ने उसे घुसने नहीं दिया। इसके बाद बैंक मैनेजर ने इसकी सूचना सुपेला पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को वहां से खदेड़ा और मैनेजर ने एटीएम को बंद किया। इसके बाद बैंक मैनेजर ने एटीएम का संचालन करने वाली कंपनी को इसकी जानकारी दी। कंपनी के टेक्निशियन पहुंचे और एटीएम को पूरी तरह से सील किया और इसके फॉल्ट की जांच शुरू की है। बताया जा रहा है कि इस दौरान जिन लोगों ने भी अपना एटीएम इस्तेमाल का ज्यादा रुपए निकाले हैं उनके अकाउंट से डिटेल निकाल कर उन्हें तलब किया जाएगा। जिनके हाथ ज्यादा रुपए लगे हैं उनसे रिकवरी भी की जाएगी।

मारूति शो रूम में हुई लाखों की चोरी, लॉकर के साथ कैश उठाकर ले भागे चोर, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में अज्ञात चोरों ने बीती रात मारूति शो रूम को निशान बनाते हुए पीछे के रास्ते से फेसिंग वायर को काटकर प्रवेश करते हुए 7 लाख से भी अधिक की नगदी रकम को साफ किया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम डॉग स्क्वायड, एवं सायबर सेल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय से महज 4 किलोमीटर की दूरी में भगवानपुर गांव के पास स्थित मारूति शो रूम में बीती देर रात अज्ञात चोरों ने शो रूम के पीछे दीवाल में लगे कटिले फेसिंग वायर को काटकर पहले वर्कशॉप में घुसे जहां चोरों ने वर्कशॉप से 95 हजार नगदी रकम को लेकर उपर शो रूम में पहुंचे जहां लॉकर को उठाकर पीछे की तरफ ले गए जहां लॉकर को तोड़कर उसमें रखे नगदी रकम को भी लेकर फरार हो गए।

बताया जा रहा है कि भगवानपुर गांव के पास स्थित मारूति सुजुकी शो रूम में अज्ञात चोरों की घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसमें चोरी की घटना को अंजाम देते हुए चार चोर कैमरे में कैद हुए है। पुलिस अज्ञात चोरों को पकड़ने के लिये अलग-अलग टीम बनाकर जांच में जुटी हुई है। बीती रात सुजुकी शो रूम में 7 लाख से भी अधिक की नगदी रकम चोरी चले जाने के बाद कोतरा रोड पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंचकर डॉग स्वायड की मदद से चोरों की पतासाजी में जुटी हुई है।

मारूति सुजुकी के सेल्स मैनेजर सचिन ने बताया कि हमारे यहां बीती रात चोरी हुई है, चोरों ने पहले वर्कशॉप में चोरी की फिर उसके बाद शो रूम में घुसकर लगभग 7 लाख 64 हजार रूपये की नगदी रकम की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। शो रूम के सामने दो गार्ड तैनात थे। इस दरम्यान चोरों ने 40 मिनट के अंदर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। मारूति सुजुकी के सेल्स मैनेजर सचिन ने बताया कि पहले भी यहां चोर घुसे थे जिसके बाद शो रूम के चारो तरफ कांटेदार फेसिंग किया गया था। लेकिन इस बार चोरों ने यहां रेकी करके अंदर घुसे हैं। शो रूम में चोरी की रिपोर्ट उन्होंने आज सुबह कोतरा रोड थाने में लिखाई है।

इस संबंध में कोतरा रोड थाना प्रभारी त्रिनाथ त्रिपाठी ने बताया कि हमे सूचना मिली थी कि रात में यहां चोरी हुई है। जिसके बाद हम यहां सायबर टीम, डॉग स्क्वायड, एफएसएल टीम के साथ मौके पर पहुंचे हैं। यहां सभी स्टाफ से पूछताछ की जा रही है। उनके द्वारा लगभग 6 से 7 लाख की चोरी होना बताया जा रहा है। यहां इतना पैसा कहां से आया कैसे आया और चोर यहां केसे आये उसके सीसीटीवी फुटेज भी हम देख रहे हैं। पूरे मामले में जांच की जा रही है। कोतरा रोड थाना प्रभारी त्रिनाथ त्रिपाठी ने यह भी बताया कि टाटा शो रूम के अलावा एक सीमेंट दुकान में भी चोरों के जाने की बात बताई गई है। आरोपियों के द्वारा इस रास्ते का उपयोग किया गया।

चोर गिरोह पकड़ाया, 9 आरोपियों से 16 लाख से ज्यादा का सामान जब्त

■ बोड़ला थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी पोंड़ी का मामला, राइस मिलर ने की थी शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। शनिवार को कबीरधाम पुलिस ने चोरी के मामले में बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने चोर गिरोह के 9 आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस आरोपियों के पास से करीब 16 लाख 99 हजार 700 रुपए कीमत के सामान जब्त किए गए है। यह मामला बोड़ला थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी पोंड़ी का है। एडिशनल एसपी पुष्पेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि इसी माह 9 सितंबर को एक राइस मिल के मालिक चंद्रकांत चंद्रवंशी ने पुलिस चौकी पोंड़ी में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अपने आवेदन में बताया कि उनके मिल से 80 बोरी धान चोरी हुआ है।

मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू किया गया। जांच के दौरान राइस मिल में लगे सीसीटीवी का अवलोकन करने पर एक पिकअप वाहन 7 सितंबर की रात तीन बजे मिल के अंदर से बाहर निकलता हुआ दिखाई दिया। इसके बाद ग्राम मानिकपुर का ईश्वर चंद्रवंशी अपने बाइक से दो व्यक्ति मिल की तरफ जाते हुए दिखाई दिए। इन्हे संदेह के आधार पर पुलिस ने पूछताछ किया। तब इन लोगों ने बताया कि मिल में चोरी करने के लिए ग्राम पोंड़ी के शिवकुमार लांझी से डूप्लीकेट चाबी बनाकर चोरी करना किया है। ईश्वर चंद्रवंशी के निशानदेही पर अन्य आरोपी मनहरण चंद्रवंशी, यशवंत चंद्रवंशी, तिलक साहू, नंदू केवट, सुनील चंद्रवंशी, मुकेश चंद्रवंशी, देवकुमार साहू, दुर्गेश साहू को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए आरोपियों द्वारा पूर्व में कई चोरी की वारदात को अंजाम देना बताया है। इनके निशानदेही पर चोरी किए गए 174 बोरी धान 69.6 क्विंटल कीमत 1 लाख 39 हजार 200 रुपए, दो पिकअप वाहन कीमत 13 लाख रुपए, 8 नग मोबाइल को जब्त किया गया है। सभी 9 आरोपी को आज देर शाम को रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

कबीरधाम में साइबर ठगी: रेटिंग और टास्क के चक्कर में सात लाख रुपए गवां बैठा व्यापारी, अब पुलिस से लगाई गुहार

कबीरधाम। जिले में फिर से एक साइबर ठगी का मामला सामने आया है। कवर्धा शहर के एक व्यापारी ने रेटिंग व टास्क के चक्कर में 7 लाख रुपए गवां बैठा है। इस मामले में पीड़ित व्यापारी सत्यजीत गुम्बर उम्र 37 के आवेदन पर सिटी कोतवाली थाना कवर्धा में 318(4)-बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना से मिली जानकारी अनुसार सबसे पहले पीड़ित सत्यजीत गुम्बर के पास वाट्सऐप में टास्क वाला मैसेज आया।

इसमें रेटिंग देने व टास्क पूरा करने पर राशि मिलने की बात कही गई। तब सत्यजीत ने रेटिंग देने के बाद छोड़ दिया था। इसके बाद लगातार मैसेज भेजकर खाता नंबर मांगने लगा। टेलीग्राम एप से लिंक मिला। शुरूआत में कुछ राशि जरूर मिली। फिर एक हजार रुपए जमा कराकर नया टास्क दिया। इसके बाद क्रिप्टो करेंसी के लिए खाता खोलने लिंक भेजा गया। फिर अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर रुपए की मांग करते रहा। तब तक 7 लाख 7 हजार 102 रुपए जमा किया जा चुका था। जब पीड़ित ने रुपए वापस किए जाने की मांग किया तो उसे रुपए नहीं मिला व ठगी का एहसास हुआ। शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस की जांच शुरू हो गई है, जिन खाता नंबर पर रुपए गए थे, उसके बारे में जानकारी ली जा रही है।

चांपा में ट्रेलर ने दो दोस्तों को कुचला एक की मौत और दूसरा गंभीर रूप से घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। अकलतरा थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाइवे- 49 पर कोयला लोड ट्रेलर वाहन ने बाइक सवार दो दोस्तों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक शिव कुमार कर्ष की मौके पर ही मौत हुई है। वहीं, दूसरा युवक संत दास मानिकपुरी का पैर बुरी तरह से कुचल गया।

मिली जानकारी अनुसार शनिवार की शाम को ग्राम झलमला गांव के रहने वाले दो दोस्त संत दास मानिकपुरी और शिव कुमार कर्ष बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे। इस दौरान नेशनल हाइवे- 49 ओवरब्रिज के ऊपर कोयला लोड ट्रेलर वाहन ने तेज रफ्तार से बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। दोनों युवकों को 40 मीटर तक घसीटा, जिससे दोनों ट्रेलर के चक्के के नीचे आ गए। मौके पर शिव कुमार कर्ष की मृत्यु हो गई। वहीं, संत दास के का पैर बुरी तरह से कुचल गया और सिर पर गंभीर चोट आई है।

मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं, घायल युवक संत दास को सीएचसी अस्पताल अकलतरा लाया गया, जिसे बेहतर उपचार के लिए बिलासपुर रेफर किया गया है। ट्रेलर वाहन चालक मौके पर वाहन को छोड़ कर फरार हो गया है। वाहन को पुलिस ने जब्त किया गया है। चालक की तलाश की जा रही है।

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार
बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

प्रगति के साथ-साथ आदिवासी संस्कृति का संरक्षण भी है जरूरी- विष्णुदेव साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय स्थित कृषि मंडपम में छ. ग. कंवर समाज युवा प्रभाग, रायपुर महानगर द्वारा आयोजित प्रकृति पर्व भादो एकादशी व्रत-करमा तिहार 2024 कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति हमारे पूर्वजों की देन है। प्रगति के साथ-साथ आदिवासी संस्कृति का संरक्षण भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने पारम्परिक विधान से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह बहुत खुशी बात है कि कंवर समाज के युवाओं द्वारा राजधानी रायपुर में करमा तिहार का शुभारंभ किया जा रहा है। यह एक बहुत अच्छी परंपरा की शुरआत है। मुख्यमंत्री श्री साय करमा तिहार के उल्लास में शामिल होने से खुद को रोक नहीं पाए और मांदर पर थाप देते हुए 'हाय रे सरगुजा नाचे' गीत पर जमकर झूमे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज करमा तिहार मनाया जा रहा है। आदिवासी संस्कृति में कई तरह के करमा तिहार मनाये जाते हैं। आज एकादशी का करमा तिहार है। आज का त्योहार हमारी कुंवारी बेटियों का त्योहार है। इस करमा पर्व को मनाने का उद्देश्य है कि हमारी बेटियों को अच्छा वर और अच्छा घर मिले। भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन करके बेटियां अच्छे वर और अच्छे घर की कामना करती हैं। इसके बाद दशहरा करमा का त्योहार भी आता है, जिसमें शादी के पश्चात पहली बार जब बेटी मायके आती है तो वह उपवास रहकर विजयादशमी का पर्व मनाती है। पुत्र-पुत्रियों के लंबे जीवन की कामना के साथ जियुत पुत्रिका करमा मनाया जाता है। यह एक बहुत कठिन व्रत होता है, जिसमें माताएं चौबीस घण्टे बिना अन्न-जल ग्रहण किये इस करमा पर्व को मनाती हैं।

हमारी संस्कृति में कृषि कार्य से भी करमा पर्व जुड़ा है। एक त्योहार बाम्बा करमा भी होता है । बाम्बा एक प्रकार का कीट होता है जो धान के दाने में बीमारी पैदा करता है। इस करमा में नौजवान बेटे उपवास रहते हैं बाम्बा कीड़े को नदी में विसर्जित करते हैं। करमा तिहार प्रकृति से जुड़ा तिहार है। जब वर्षा नहीं होती तब पानी कर्मा मनाया जाता है। इस पर्व में करमा पूजा करके वर्षा के लिये प्रार्थना की जाती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हर साल राजधानी रायपुर में करमा त्योहार मनाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें आदिवासी संस्कृति को कभी भूलना नहीं है। हमें अपनी संस्कृति को जिंदा रखना है। ये नृत्य-गीत हमारे समाज को जोड़ के रखते हैं । प्रगति के साथ हमें इसे बरकरार रखना है।

ये बहुत गर्व का विषय है कि आज आपका एक आदिवासी बेटा मुख्यमंत्री है । कल ही हमारी सरकार को बने नौ माह पूर्ण हुए हैं। इन नौ महीनों में काफी कार्य हुआ है । 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है । धान का मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल हम दे रहे हैं। दो साल का बकाया बोनस भी हमने दिया है । महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1 हज़ार रुपये माताओं-बहनों के खाते में दिया जा रहा है। हमारे वनवासी भाइयों को

हम तेंदूपत्ता की राशि प्रति मानक बोरा 4 हज़ार से बढ़ा कर 5500 रुपये दे रहे हैं। रामलला दर्शन योजना भी शुरू की गई है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की भूमि है। बड़ी संख्या में राज्य से श्रद्धालु रामलला के दर्शन करने जा रहे हैं। पहली कैबिनेट में 18 लाख आवास की स्वीकृत दी गयी । मुख्यमंत्री श्री साय ने हिंदी दिवस के अवसर पर सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारी सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। इस साल से हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई होगी । जो विद्यार्थी हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई करना चाहेंगे उनके लिए यह सुविधा होगी। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी जो हिंदी माध्यम से पढ़ते हैं, उन्हें इससे लाभ होगा। पढ़ाई से जुड़ी सारी बारीकियां उन्हें अच्छे से समझ आएंगी ।

इसकी सारी व्यवस्था सरकार करेगी । कई बड़े और विकसित देशों के बच्चे मातृभाषा में पढ़ाई करके सफल होते हैं।आज हम 18 भाषाओं मे प्राथमिक शिक्षा दे रहे हैं। इस अवसर पर पूर्व सांसद नंद कुमार साय, कंवर समाज के प्रदेश अध्यक्ष हरवंश सिँह मिरी, महासचिव नकुल चंद्रवंशी, टूकेश कंवर, तिमिरेन्दू शेखर सिंह कंवर सहित कंवर समाज से अनेक लोग उपस्थित थे।

वरदान बनी सीएम विशेष स्वास्थ्य योजना

गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु बच्चों से लेकर बुजुर्गो तक को मिल रहा लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन की संकल्पना को साकार करते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का लाभ गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु बच्चों से लेकर बुजुर्गो तक एवं बलौदाबाजार जिले आर्थिक रूप से कमजोर तबके के मरीजों को मिल रहा है। विकासखंड पलारी के अंतर्गत ग्राम अमेरा की 22 वर्षीय कॉलेज छात्रा ऋचा कुर्रे को तीन साल पहले पीलिया हुआ।

कमज़ोरी, बुखार, मल के साथ खून का आना, शरीर में पीलापन जैसी दिक्कतें बनी हुई थीं। बाद में विभिन्न जांचों में रायपुर के एक बड़े निजी अस्पताल में यह पता चला कि उन्हें लिवर में समस्या है। डॉक्टर ने लिवर के ऑपरेशन की सलाह दी। उस समय एक ऑपरेशन हुआ।

ऋचा के परिवार ने बताया की उक्त ऑपरेशन के बाद भी राहत नहीं मिली जिससे बाद में लिवर ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई। ऐसे में धन की कमी को देखते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना अंतर्गत आवेदन दिया गया जिससे 18 लाख की सहायता राशि प्राप्त हुई। ऑपेरशन के बाद अभी ऋचा स्वस्थ हैं। ऐसे ही एक अन्य प्रकरण में पलारी के ही ग्राम हरिनभट्टा निवासी रमेश कुमार कन्नौजे की पत्नी को समय से पूर्व प्रसव में जुड़वां बच्चे हुए, जिन्हें रायपुर के बच्चों वाले एक निजी अस्पताल में विशेष देखभाल हेतु 105 दिन तक भर्ती किया गया। इसके लिए योजना के तहत 10 लाख के करीब सहायता राशि प्रदान की गई।

विकासखंड सिमगा के ग्राम केशली के 50 वर्षीय संजय कुमार वर्मा को एक वर्ष पूर्व हृदयघात हुआ जिसका इलाज रायपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में किया गया। इलाज के दौरान डॉक्टर ने उन्हें पेसमेकर लगवाने की सलाह दी। इसके लिए परिवार ने मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना में आवेदन किया जिससे उन्हें 6.5 लाख की सहायता दी गई। उक्त सभी मरीजों के परिजनों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है और ऐसी योजनाओं को जनता के हित के किये जरूरी बताया है।

राज्य के नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, दुर्लभ बीमारियों में होने वाले इलाज के व्यय से बचाने तथा उसमें सहयोग करने के लिए संजीवनी सहायता कोष का विस्तार करते हुए मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना चलाई जा रही है जिसमें अधिकतम 25 लाख रुपए की सहायता राशि इलाज हेतु संबंधित अस्पताल को मरीज के पूरे दस्तावेजों के निरीक्षण के पश्चात दिया जाता है। जिले में अब तक 191 मरीज लाभान्वित हुए हैं जिन्हें कुल 7 करोड़ 32 लाख 60 हज़ार 1 सौ 33 से अधिक की सहायता राशि दी जा चुकी है। प्राथमिकता एवं अंत्योदय राशन कार्डधारी परिवार इस योजना हेतु पात्र हैं। योजना का लाभ राज्य एवं राज्य के बाहर के पंजीकृत चिकित्सालय में उपचार कराने पर ही प्रदान किया जाता है। जिसमें राज्य एवं राज्य के बाहर के सभी सरकारी चिकित्सालय, पंजीकृत निजी चिकित्सालय तथा सी.जी.एच.एस.के अतंर्गत पंजीकृत चिकित्सालय सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से लिवर, किडनी, फेफड़े, हृदय के प्रत्यारोपण के अलावा कैंसर, हृदय रोग, एप्लास्टिक अनीमिया, कॉक्लियर इम्प्लांट, हीमोफीलिया में इस योजना का लाभ मिलता है।

विभिन्न प्रकार की अन्य ऐसी बीमारियां जिनका इलाज राज्य की अन्य योजनाओं में उपलब्ध न हो उसमें सहायता विशेष समिति की अनुशंसा पर की जा सकती है। तकनीकी समिति की अनुशंसा पर आवश्यकतानुसार राज्य सरकार बीमारियों की सूची में संशोधन कर सकती है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने वाशिंगटन में देखा सड़क और भवन निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अध्ययन प्रवास पर अमेरिका गए उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने वाशिंगटन में सड़क एवं भवन निर्माण स्थलों का दौरा कर कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण स्थलों पर आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों से चर्चा कर निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री, धातु एवं मशीनरी की जानकारी ली। उन्होंने वहां विशेषज्ञों के साथ बैठक कर सड़क एवं भवन निर्माण की नई तकनीकों तथा निर्माण परियोजनाओं के विभिन्न चरणों का अध्ययन किया। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह भी इस दौरान उनके साथ थे। उप मुख्यमंत्री श्री

साव ने वाशिंगटन में निर्माण कार्यों के विशेषज्ञों के साथ बैठक कर नई निर्माण तकनीकों तथा यू.एस.ए. में सड़क एवं भवन निर्माण परियोजनाओं की प्लानिंग से लेकर निर्माण तक चरणबद्ध रूप से उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी ली। वहां बिम कम्प्यूटर सिस्टम से भवन एवं अधोसंरचना का कम्प्यूटर में संपूर्ण डिज़ाइन तैयार किया जाता है जिससे न केवल उनके निर्माण में लगने वाली सामग्री एवं लागत का सटीक आंकलन होता है, बल्कि बाद में होने वाले मेन्टेनेन्स के काम में भी मदद मिलती है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हिन्दी दिवस पर की बड़ी घोषणा

सरकारी चिकित्सा कॉलेजों में अब हिंदी में पढ़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हिन्दी दिवस पर बड़ी घोषणा करते हुए राज्य के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में हिन्दी में भी पढ़ाई शुरू करने की बात कही है। मुख्यमंत्री ने राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि एमबीबीएस की पढ़ाई की व्यवस्था भी हम हिंदी में करेंगे। इस साल के प्रथम सत्र 2024-25 में एमबीबीएस की पढ़ाई की सुविधा हिंदी में भी उपलब्ध होगी। इसके लिए छात्र छात्राओं की संख्या अनुरूप आवश्यक पुस्तक उपलब्ध कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी दिवस की सार्थकता इस बात में है कि हम शासन प्रशासन और शिक्षा के हर स्तर पर हिंदी को लागू करें, हिंदी को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा हमें इस बात की खुशी है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2022 को उत्तरप्रदेश के उन्नाव की रैली में हिंदी में चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने की मंशा जाहिर की थी, हम उसका क्रियान्वयन करने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में राज्य में 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय हैं। हिंदी में चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने का सबसे अधिक लाभ हमारे ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को होगा जो अधिकतर हिंदी मीडियम से होते हैं जो प्रतिभाशाली होते हैं लेकिन अंग्रेजी की वजह से उन्हें चिकित्सा पाठ्यक्रम में कुछ दिक्कत आती है। अब यह दिक्कत दूर हो जाएगी। इससे चिकित्सा छात्र छात्राओं का आधार भी मजबूत होगा और अच्छे चिकित्सक तैयार करने में इससे अधिक मदद मिलेगी। मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने का यह सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इससे विषय की बारीक समझ बनती है। इसे हम छत्तीसगढ़ में हर स्तर पर कार्यान्वित करने के लिए कृत संकल्पित हैं।

अतिरिक्त कक्ष बने तो बढ़ी सहुलियत

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना : आकर्षक रंगरोगन, कलात्मक चित्रों से मिला बेहतर परिवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अब जांजगीर-चांपा जिले के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बरगवां में बच्चों को पढ़ाई करने में सहुलियत होगी। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत यहां कुल 16.10 लाख रूपए की लागत से दो नए कमरे बनकर तैयार हो गए है। दरअसल इस स्कूल में बच्चों के लिए पढ़ने हेतु कक्षों की कमी हो रही थी।

स्कूल में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने के कारण उन्हें एक ही कक्ष में बैठकर पढ़ना पड़ता था, जिससे उन्हें परेशानी होती थी। तीन बने हुए कक्षों में एक कक्ष का सात साल पहले जीर्णोद्धार हुआ था। बाकी जर्जर स्थिति में थे। मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना

के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकालने के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण का निर्णय लिया गया।

जांजगीर-चांपा के जनपद पंचायत अकलतरा के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बरगवाँ में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के माध्यम से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग जांजगीर के द्वारा 02 नग अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य कराया गया है। शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हो जाने से विद्यार्थियों को बैठक व्यवस्था में सुविधा होने लगी। कक्षावार विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था होने से उनके अध्ययन कार्य और शिक्षकों के अध्यापन कार्य में सहजता हुई है। विद्यार्थियों को अब पढ़ने के लिए आरामदायक वातावरण मिल गया है। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। यहां 6वीं, 7वीं और 8वीं में कुल 102 बच्चे अध्ययनरत हैं। तीन कक्ष में एक ही हाल में दो नए कमरे बनने से अब कक्षों में विद्यार्थियों की कम भीड़ है, जिससे शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों, शिक्षकों ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत कक्ष बनने के बाद मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए खुशी जाहिर की है।

छत्तीसगढ़ के किसानों को भी मिलेगा पीएम मोदी के फैसलों का लाभ-साय

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के अन्नदाता किसानों की आय को बढ़ाने और उनकी खुशहाली के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के संचालन के साथ ही किसान हित में लगातार निर्णय ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क हटाने के साथ ही खाद्य तेलों के आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी एवं प्याज के निर्यात शुल्क में कमी करने का निर्णय का छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वागत करते हुए कहा है कि इसका फायदा निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ के किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने श्री साय ने देश के अन्नदाता किसानों के हित में लिए गए इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी । आभार व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क को हटाने, खाद्य तेलों के आयात शुल्क को शून्य से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने के साथ ही प्याज के निर्यात शुल्क को 40 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। केन्द्र सरकार ने रिफाइन ऑयल के बेसिक ड्यूटी को 32.5 प्रतिशत तक बढ़ाने का भी निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के इस निर्णय से निश्चित रूप से सोयाबीन, बासमती, प्याज, सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली के उत्पादक किसानों के आय में वृद्धि होगी। इसका लाभ छत्तीसगढ़ के किसानों को भी मिलेगा। उनके उपज की बाजार में और अधिक मांग बढ़ेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950